फाल्गुन शुक्ल पक्ष- 3, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 226 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 फरवरी 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
26.4 अधिकतम
16.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

वंदे भारत ट्रेन पर पथराव, संघ प्रमुख मोहन भागवत थे सवार

लखनऊ। लखनऊ से मेरठ जा रही वंदे भारत ट्रेन पर पथराव हुआ है। इस ट्रेन में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी सवार थे। सी-4 कोच का शीशा टूट गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, लखनऊ से दिल्ली आ रही वंदे भारत ट्रेन पर हरदोई के पास कुछ उपद्रवियों ने पत्थर मारे। मामले की जांच में हरदोई पुलिस जुट गई है। ये पहली बार नहीं है, जब किसी वंदे भारत ट्रेन पर पथराव किया गया हो। इसके पहले भी कई वंदे भारत ट्रेन पर पथराव किया गया है।

फुटबॉल खेलते समय शिलॉन्ग के सांसद रिकी सिंगकॉन का निधन

शिलांग। मेघालय के शिलांग संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सांसद और वॉइस ऑफ द पीपल पार्टी के वरिष्ठ नेता रिकी एंड्रयू जे. सिंगकॉन का निधन हो गया। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि 54 वर्षीय सिंगकॉन फुटबॉल (फुटसल) खेलते समय अचानक मैदान पर गिर पड़े थे, जिसके कुछ ही देर बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार, रिकी सिंगकॉन गुरुवार शाम को शिलांग के मावलाई माविंयोंग इलाके में दोस्तों के साथ एक दोस्ताना फुटसल (फुटबॉल का छोटा रूप) मैच खेल रहे थे। खेल के दौरान वह अचानक कोर्ट पर ही गिर पड़े और बेहोश हो गए।

सीहोर में कुबेरेश्वर धाम मेले को लेकर भोपाल स्टेशन पर अलर्ट

भोपाल। सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम में 14 से 20 फरवरी तक चल रहे धार्मिक आयोजन में करीब 10 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। आयोजन का आज समापन होना है। इसके बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोपाल जंक्शन पर लौटेंगे तो ऐसे में यहां भीड़ इकट्ठा होने की आशंका है। इसे ध्यान में रखते हुए भोपाल स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के लिए व्यापक व्यवस्था लागू की गई है। स्टेशन परिसर में लगभग 10 हजार यात्रियों को एक साथ नियंत्रित करने के लिए विशेष होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, ताकि किसी भी यात्री को परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं, मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. अभिषेक के निर्देशन में भोपाल मंडल पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

अंबिकापुर से दिल्ली के लिए सीधी हवाई सेवा 29 मार्च से

अंबिकापुर। अंबिकापुर से हवाई सेवा को लेकर अच्छी खबर है। अंबिकापुर अब हवाई सेवा से देश की राजधानी दिल्ली से जुड़ने जा रहा है। एलाइंस एयर विमानन कंपनी 72 सीटर विमान का परिचालन करेगी। यह विमान वाया बिलासपुर होकर सप्ताह में दो दिन आना-जाना करेगा। इसकी शुरुआत 29 मार्च से होने जा रही है। सप्ताह में दो दिन सोमवार और बुधवार को इसका परिचालन होगा। विमानन कंपनी ने 29 मार्च से लेकर 24 अक्टूबर तक का शेड्यूल भी जारी कर दिया है।

गुरुग्राम में 3 साल की मासूम की दरिंदगी के बाद हत्या

गुरुग्राम। साइबर सिटी में तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सेक्टर-37 इंडस्ट्रियल एरिया के पास खाली प्लॉट में बच्ची का शव गड्ढे से बरामद हुआ। पुलिस ने 24 वर्षीय आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित और बच्ची का परिवार दोनों एक ही इमारत में रहते हैं। बच्ची आरोपित के साथ अक्सर खेलती भी थी। जांच अधिकारी के मुताबिक, लड़की के माता-पिता ने बीती रात करीब साढ़े 12 बजे गुमशुदगी दर्ज कराई थी। माता-पिता बच्ची को रात भर खोजते रहे लेकिन पता नहीं चला। सुबह उसका शव मिला।

आज का कार्टून

सांप्रदायिक तनाव...एमपी, कर्नाटक और तेलंगाना में टकराव

मंदिर की ग्रिल टूटने पर आपस में भिड़े थे दो समुदाय

जबलपुर के सिहोरा में कर्फ्यू जैसे हालात, भारी पुलिस बल तैनात

जबलपुर/ हैदराबाद/बागलकोट. एजेंसी

देश के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच हिंसक टकराव देखने को मिला। जबलपुर में मंदिर में पूजा और मस्जिद में नमाज के दौरान दोनों समुदायों में तनाव बढ़ गया। आज शुक्रवार होने की वजह से एहतियात बरतते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

वहीं, कर्नाटक के बागलकोट जिले में शिवाजी जयंती के दौरान निकाले जुलूस पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पथराव किया। इसके अलावा हैदराबाद के अंबरपेट में भी धार्मिक आयोजन के दौरान सांप्रदायिक तनाव की घटनाएं सामने आई है।

पुलिस ने छोड़े थे आंसू गैस के गोले

जबलपुर के सिहोरा इलाके में गुरुवार रात को आजाद चौक पर दुर्गा मंदिर में पूजा चल रही थी। इस दौरान पास की मस्जिद में नमाज भी चल रही थी। पूजा और नमाज के दौरान दोनों समुदायों के लोगों में कहासुनी हो गई। इसी दौरान एक युवक ने दुर्गा मंदिर की ग्रिल को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया। यह देखकर हिंदू युवक भड़क गए। उनके बीच मारपीट होने लगी। कुछ ही देर में मुस्लिम समाज के कई युवक आए और मंदिर परिसर में घुसने लगे। इसके बाद विवाद ने उग्र रूप ले लिया। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। उपद्रवियों को नियंत्रित करने के लिए अश्रु गैस के गोले छोड़कर भीड़ को तितर-बितर किया गया। उसके बाद स्थिति नियंत्रण में आई। तनाव को देखते हुए क्षेत्र में बड़ी संख्या में बल तैनात किया गया है।

हैदराबाद: वीडियो बना रहे यूट्यूबर पर भीड़ ने किया था हमला

हैदराबाद के अंबरपेट में जामा मस्जिद के सामने से शिवाजी जयंती का जुलूस गुजर रहा था। उसी समय मस्जिद में रमजान की नमाज चल रही थी। जुलूस के दौरान तेज संगीत और नारेबाजी को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई। इस दौरान कथित तौर पर एक वीडियो बना रहे यूट्यूबर पर भीड़ ने हमला कर दिया। जिसके बाद दोनों समुदायों में तनाव बढ़ गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को कंट्रोल किया। अंबरपेट पुलिस ने कहा, 'एक यूट्यूबर अंबरपेट में जामा मस्जिद के पास वीडियो बना रहा था। उस पर लोगों ने हमला कर दिया।

बागलकोट: मस्जिद के पास तनाव

कर्नाटक के बागलकोट में शिवाजी जयंती का जुलूस मस्जिद के पास से निकल रहा था, इसी दौरान जुलूस पर पत्थरबाजी हुई। हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया कि मस्जिद से एक पत्थर उड़कर आया। पुलिस ने दोनों तरफ से इकट्ठा हुए सभी लोगों को हटा दिया है और हालात कंट्रोल में है। बागलकोट के SP सिद्धार्थ गोयल ने कहा, 'छत्रपति शिवाजी जयंती जुलूस के दौरान पत्थरबाजी हुई। हमारी तरफ से भी पत्थर फेंके गए। लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। हम दोषियों को गिरफ्तार करेंगे और सख्त कार्रवाई करेंगे।

मोदी के दौरे से पहले इजरायल में भारतीय कामगारों पर हमला

तेल अवीव। इजरायल के दक्षिणी शहर एस्केलोन में दो भारतीय कामगारों पर हमला हुआ है। इजरायली पुलिस ने हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है। भारत में मौजूद इजरायली दूतावास ने बताया है कि हमले में शामिल लोगों को पकड़ लिया गया है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इजरायली मीडिया ने बताया है कि यह एक टारगेटेड हमला था, जिसे योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया। यह हमला ऐसे समय में हुआ, जब कुछ दिनों के भीतर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इजरायल के दौरे पर जाने वाले हैं। इजरायली मीडिया रिपोर्ट में इसे नस्लीय हमला बताया है, जिससे दोनों देशों में चिंता फैल गई है। इजरायली न्यूज चैनल ने घटना की वीडियो क्लिप जारी की है, जिसमें कम से कम तीन लोगों का एक समूह दो लोगों को पीटते हुए दिखाई दे रहा है। घटनाक्रम किसी सार्वजनिक पार्क का मालूम पड़ता है। जारी वीडियो में हिब्रू में लिखे कैप्शन में कहा गया है कि हमला पहले से प्लान किया गया था। यह नस्लवाद और दुर्भावना से प्रेरित बताया गया है।

इजरायल ने हमले की कड़ी शब्दों में निंदा की है। भारत में इजरायली दूतावास ने गुरुवार को लिखा, कल एस्केलोन में दो भारतीय कामगारों पर अपराधियों का हमला बिल्कुल मंजूर नहीं है।

बंगाल में बाबरी मस्जिद निर्माण पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर किसी भी नई मस्जिद के निर्माण या नामकरण पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने आज सुनवाई के बाद याचिका को सीधे खारिज करते हुए मामले में कोई दखल देने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि मुगल शासक बाबर को हिंदू विरोधी आक्रांता माना जाता है, इसलिए उनके नाम पर कोई मस्जिद नहीं बननी चाहिए।

याचिका में विशेष रूप से मुर्शिदाबाद में निर्माणाधीन मस्जिद का जिक्र किया गया था, जहां निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने का काम चल रहा है। याचिकाकर्ता ने केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की थी कि देश भर में बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर कोई निर्माण या नामकरण न होने दिया जाए। पीठ ने याचिका को सुनने के बाद कहा कि यह मामला अदालत के दखल के दायरे में नहीं आता।

एआई कंटेंट के नए नियम आज से लागू

फेक पोस्ट करने पर यूजर के साथ प्लेटफार्म भी निशाने पर

नईदिल्ली. एजेंसी

केंद्र सरकार ने एआई जेनरेटेड कंटेंट को लेकर पिछले दिनों नियमों में संशोधन किया था। ये नियम आज से लागू हो गए हैं। अब सोशल मीडिया या इंटरनेट पर एआई जेनरेटेड कंटेंट शेयर करना भारी पड़ सकता है। आईटी मिनिस्ट्री ने इस नए नियम को 10 फरवरी 2026 को नोटिफाई किया था। इस नए नियम को आईटी रूल्स 2021 के अमेंडमेंट के तौर पर लागू किया गया है। सरकार ने इस नियम में सिंथेटिकली या AI द्वारा जनरेटेड कंटेंट को परिभाषित किया है। साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी भी तय की है। इस तरह के कंटेंट शेयर करने वाले यूजर्स पर भी एक्शन की बात इस नए नियम में स्पष्ट किए गए हैं।

तीन घंटे में हटाना होगा हानिकारक कंटेंट

नए नियमों के तहत अगर किसी हानिकारक, भ्रामक या भड़काऊ कंटेंट की शिकायत मिलती है, तो प्लेटफॉर्म को तीन घंटे के भीतर उसे हटाना या तुरंत ब्लॉक करना होगा। खासकर महिलाओं, बच्चों, राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और चुनाव से जुड़े मामलों में बिना देरी कार्रवाई जरूरी है। कंपनियों को ऐसे कंटेंट की पहचान करने के लिए अपने सिस्टम और मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत करना होगा। तय समय में कदम न उठाने पर इसे गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

डीपफेक और AI कंटेंट पर सख्ती

केंद्र सरकार ने डीपफेक और AI से तैयार फर्जी वीडियो, फोटो, ऑडियो या टेक्स्ट की साफ और कानूनी परिभाषा भी तय की है। अगर कोई कंटेंट किसी व्यक्ति, संस्था या घटना को झूठे तरीके से असली दिखाता है, तो उसे कानून के दायरे में लाया जाएगा। सोशल मीडिया कंपनियों को ऐसे कंटेंट पर साफ चेतावनी लेबल लगाना होगा। जरूरत पड़ने पर उसे तुरंत हटाना भी अनिवार्य है, ताकि गलत सूचना तेजी से फैलने से रोकी जा सके।

एआई इम्पैक्ट समिट में पहुंचे मुख्यमंत्री यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज दिल्ली में चल रही एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेकर एआई आधारित मॉडल्स का निरीक्षण किया।

मानहानि मामले में राहुल ने दर्ज कराए बयान, कहा...

मेरे खिलाफ हुई राजनीतिक साजिश

सुल्तानपुर. एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज सुल्तानपुर के एक कोर्ट में पेश हुए जहां उनका बयान दर्ज किया गया।

करीब 27 मिनट तक उन्होंने जज के समक्ष अपनी सफाई पेश की। कहा कि सस्ती लोकप्रियता के लिए मुझ पर साजिशन केस किया गया है। इस संबंध में शीघ्र प्रमाण कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करूंगा। अगली सुनवाई नौ मार्च को होगी। इस दौरान कोर्ट परिसर की सुरक्षा कड़ी की गई थी। कोर्ट परिसर के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था। बता दें कि इसके पूर्व की सुनवाई में राहुल गांधी अदालत में उपस्थित नहीं हुए थे। उनके अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने उन्हें केरल में होने का प्रार्थना पत्र देकर समय मांगा था।

शाह पर की थी टिप्पणी

कर्नाटक में एक प्रेस वार्ता के दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर राहुल ने अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसे लेकर जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष व भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के विरुद्ध दीवानी में मानहानि का परिवाद दायर किया था। जिसकी सुनवाई चल रही है।

इस मामले में राहुल 26 जुलाई 2024 को पेश हुए थे। उसके बाद से वह सुनवाई की तिथि के दिन अनुपस्थित होते रहे। 19 जनवरी को जब वह हाजिर नहीं हुए तो अदालत ने उन्हें 20 फरवरी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था।

पुतला दहन के दौरान भड़की आग, टीआई घायल

सतना। मैहर में आज सुबह करीब 9.30 बजे कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान ट्रैफिक टीआई आग से झुलस गए। यह घटना उस समय हुई, जब प्रदर्शनकारी पुतला दहन कर रहे थे और पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश कर रही थी। यह प्रदर्शन प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ किया जा रहा था। दरअसल, विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के खिलाफ अपशब्द कहे थे। पुतला दहन के दौरान टीआई विक्रम सिंह पाठक हालात संभालने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान आग अचानक भड़क गई और वे झुलस गए। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

मेट्रो एंकर

एक हजार करोड़ का निवेश, टाटा के साथ मिलकर देश में हो रहा है एच 125 चॉपर का निर्माण

सिविल-डिफेंस एविएशन में क्रांति लाएगा एयरबस का 'स्वदेशी' हेलिकॉप्टर

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत में नई प्रोडक्शन लाइन मिलने के बाद एविएशन क्षेत्र की ग्लोबल कंपनी एयरबस की उम्मीदें आसमान छूने लगी हैं। कंपनी को उम्मीद है कि भारत में रीजनल कनेक्टिविटी में ही उसके एक हज़ार से ज्यादा हेलिकॉप्टर खप जाएंगे। इनके अलावा सशस्त्र सेनाओं की जरूरतें पूरी करने के लिए जो डिमांड मिलेगी, वह अलग। हाल ही में एक इंटरव्यू में एयरबस हेलिकॉप्टर्स के सीईओ ब्रूनो इवेन ने कहा है कि नई असेंबली लाइन से पहला हेलिकॉप्टर 2027 की शुरुआत में बनकर निकलने की उम्मीद है। टाटा के साथ मिलकर इस हेलिकॉप्टर का भारत में ही निर्माण कर रही है।

एयरबस सीईओ ने कहा कि कंपनी सिविल और मिलिट्री मार्केट को ध्यान में रख रही है अगर सैन्य उपभोक्ता अपने मिशन के लिए एच125 को चुनने में दिलचस्पी रखते हैं और उसे खरीदना चाहते हैं, तो इसकी कोई वजह नहीं है कि हम इस क्षेत्र में अपने उपभोक्ताओं के लिए, भारत में यह मिलिट्री हेलीकॉप्टर न बना पाएं।' एयरबस की ओर यह बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के द्वारा बेंगलुरु में एक नए एयरबस और टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड प्रोडक्शन फैसिलिटी के मुंबई से वर्चुअली उद्घाटन के बाद कही गई हैं। इस नई असेंबली लाइन फैसिलिटी में एयरबस करीब एक हजार करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है।

एयरबस सिर्फ अपनी कर्नाटक की वेमगल फैसिलिटी से ही आने वाले 20 वर्षों में लगभग 500 एच125 हेलिकॉप्टरों का बाजार देख रहा है। वैसे एयरबस भारतीय सेना से भी बड़े ऑर्डर मिलने की उम्मीद में बैठा है। क्योंकि, सेना पहले ही लीज पर यह हेलिकॉप्टर उड़ा रही है और उसने उत्तरी कमांड के फॉरवर्ड एरिया में इसकी परफॉर्मेंस भी देख रखी है।

भारत में मौजूद है बड़ा बाजार

ब्रूनो इवेन का कहना है, 'हम सशस्त्र सेनाओं के लिए बहुत बड़ी जरूरत देख रहे हैं और ऊंचे पहाड़ों में इनकी जरूरतों को देखते हुए एच125 को परफेक्ट हेलिकॉप्टर मानते हैं, जहां बहुत ही बेहतरीन परफॉर्मेंस की जरूरत है।' वहीं, भारत में जिस तरह से रीजनल कनेक्टिविटी में हेलिकॉप्टरों की डिमांड बढ़ रही है, इसके सामने यह बहुत विशाल बाजार खड़ा हो रहा है। दुनिया के 137 देशों में 7,200 से ज्यादा यूनिट हेलीकॉप्टर डिलीवर हो चुके हैं, जिन्हें 2,600 से ज्यादा ऑपरेटर उड़ा रहे हैं। बेहतरीन विजिबिलिटी और केबिन में कम वाइब्रेशन लेवल की वजह से एच125 एक असली मल्टी-मिशन चॉपर के रूप में दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है।

कैग की रिपोर्ट में खुलासा, पंचायतों को नहीं मिले स्कूल भवन

सरकार के विभागों ने निकायों को नहीं किया बजट ट्रांसफर, स्टाफ भी नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्थानीय निकायों नगरीय निकाय और पंचायतों को विभाग से बजट ट्रांसफर न होने का खुलासा हुआ है। कई विभागों ने कागजों में तो विषय पंचायतों और नगरीय निकायों को सौंप दिए, लेकिन उसने जुड़ा बजट अपने नियंत्रण में ही रखा। अनुदान की राशि स्थानीय निकायों के नाम पर दिखाई गई है पर उनसे जुड़े बजट पर अपना ही नियंत्रण रखा।

कैग की रिपोर्ट में यह सामने आया है। अनुसूची 11 और12 के तहत सौंपे गए विषयों से संबंधित राशि और कर्मचारियों का विधिवत हस्तांतरण स्थानीय निकायों को नहीं किया गया। इससे पंचायतें केवल कार्यान्वयन एजेंसी बनकर रह गई। रिपोर्ट में पाया गया कि राशि सीधे पंचायतों या नगरीय निकायों के खाते में नहीं डाली गई। भुगतान और आहरण का अधिकार विभागीय अफसरों ने अपने पास ही रखा। इस वजह से स्थानीय निकायों को वित्तीय निर्णय लेने की स्वतंत्रता नहीं मिली।

स्कूल शिक्षा से जुड़े मामलों में भी विद्यालय का भवन, भूमि, चल-अचल संपत्ति और स्टाफ का पूर्ण हस्तांतरण पंचायतों और नगरीय निकायों को नहीं किया गया। जबकि विभाग इस हस्तांतरण का दावा करता रहा।

संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत : यह स्थिति संविधान के 73 वे संशोधन की भावना के विपरीत रही है, जिसमें पंचायतों को स्वशासी इकाई के रूप में कार्य करने के लिए विषय, कर्मचारी और बजट तीनों सौंपने का प्रावधान है। प्रदेश में स्थानीय निकायों को बजट ट्रांसफर न किए जाने से यह बात सामने आई कि यदि बजट नियंत्रण स्कूल शिक्षा जैसे विभाग अपने पास रखेंगे तो पंचायतों कैसे स्वायत्त होंगी। सवाल ये भी उठे हैं कि बिना अधिसूचना और पालन प्रतिवेदन के हस्तांतरण को कैसे हो गया।

73 वें संविधान संशोधन में

73 वें संविधान संशोधन के अनुसार स्थानीय निकाय और पंचायत एवं नगरीय निकायों को पंचायत अधिनियम 1993 के व नगरीय निकायों को पंचायत अधिनियम 1993 व नगरीय निकाय अधिनियम 1956 एवं 1961 के तहत स्वतंत्र सरकार के रूप में कार्य करने के लिए संविधान में जोड़ी गई अनुसूची 11 एवं 12 के तहत विषय स्थानीय निकायों को दिए थे, जिनमें विभाग कार्यालय, विद्यालय, अधोसंरचना, चल-अचल संपत्तियां स्टाफ तथा फंड का 1995 से 2018 तक विधिवत रूप से स्थानांतरण स्थानीय निकायों को विभागों द्वारा नहीं किया गया।

2 दिन तक चलेगा 'भोपाल फिल्म फेस्टिवल', कई फिल्मों की स्क्रीनिंग

राजधानी में अनुराग बसु, एक्ट्रेस हुमा कुरैशी समेत दिग्गजों का जमावड़ा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में 21 और 22 फरवरी 2026 को मिंटो हॉल में आयोजित होने जा रहे 'भोपाल फिल्म फेस्टिवल' में देश के चर्चित फिल्मकारों और कलाकारों का जमावड़ा लगेगा। दो दिवसीय इस आयोजन में बेहतरीन सिनेमा के साथ सार्थक संवाद और सांस्कृतिक गतिविधियां होंगी। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक हंसल मेहता जूरी सदस्य के रूप में शामिल होंगे। विशेष अतिथि के तौर पर अनुराग बसु अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। वहीं 'कठल' के निर्देशक और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता यशोवर्धन मिश्रा भी निर्णायक मंडल का हिस्सा रहेंगे। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जूरी सदस्य और पैनलिस्ट के रूप में दर्शकों से संवाद करेंगी। ऑस्कर विजेता निर्माता अचिन जैन भी जूरी में शामिल होंगे। पूर्व मामी आर्टिस्टिक डायरेक्टर स्मृति किरण जूरी और मॉडरेटर की भूमिका निभाएंगी। दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित लेखक-निर्देशक अशोक मिश्रा भी निर्णायक मंडल में रहेंगे। बॉलीवुड निर्देशक हंसल मेहता होंगे शामिल।

इन फिल्मों की होगी स्क्रीनिंग

फेस्टिवल की क्लोजिंग फिल्म जुगनुमा द फेबल होगी, जिसका निर्देशन राम रेड्डी ने किया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी, तिलोत्तमा शोम, प्रियंका बोस और दीपक डोबरियाल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा द एस्ट्रोनॉट एंड हिज पैरट में अली फजल मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन आरती कड़व ने किया है। फिल्म किस में आदर्श गौरव)और स्वानंद किरकिरे नजर आएंगे। इसका निर्देशन वरुण

ग्रोवर ने किया है। फ्रांसीसी निर्देशक फ्रांस्वा त्रुफो की क्लासिक फिल्म स्मॉल चेंज का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इसके अलावा चार श्रेणियों में 32 प्रतियोगी लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी।

बेजॉय नांबियार लेंगे मास्टर क्लास

22 फरवरी को सुबह 10.30 से 11.30 बजे तक निर्देशक बेजॉय नांबियार इनसाइड द माइंड एंड मेथड ऑफ अ मॉडर्न ऑट्योर विषय पर मास्टर क्लास लेंगे। 199 रुपए के इस टिकट में दूसरे दिन का पूर्ण फेस्टिवल प्रवेश और प्रमाण पत्र शामिल रहेगा।

वायरल के मरीज दोगुने हुए

पेट में दर्द, उल्टी-दस्त से परेशान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

फरवरी की शुरुआत होते ही राजधानी में मौसम का अचानक बदलता मिजाज लोगों के लिए स्वास्थ्य की चुनौती बन गया है। सुबह हल्की ठंड, दोपहर में तेज धूप और शाम को ठंडी हवाएं वायरल और पेट से संबंधित संक्रमण फैलाने का मुख्य कारण बन रही हैं। शहर के सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में इस बदलाव का असर साफ दिख रहा है। जेपी अस्पताल में जनवरी में पेट संबंधी समस्याओं के 60-70 मरीज ओपीडी आते थे, जो अब लगभग दोगुने होकर 150 तक पहुंच गए हैं। हमीदिया, जेपी और अन्य अस्पतालों के डॉक्टरों के मुताबिक फरवरी शुरू होते ही वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। सामान्य दिनों में मेडिसिन ओपीडी में 400-500 मरीज आते थे, जबकि अब यह संख्या 600-700 तक बढ़ गई है।

डॉक्टरों ने मानना है कि आने वाले दिनों में मौसम और अधिक बदलाव हुआ तो मरीजों की संख्या में इजाफा होगा। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने को कहा है।

हाइड्रेशन में चूक और ठंडी हवा से बढ़ा संक्रमण

डॉक्टरों के अनुसार हल्की गर्मी बढ़ने पर लोग हाइड्रेशन का ध्यान नहीं रखते, जिससे पेट का संक्रमण बढ़ जाता है। दिन में धूप में लोग गर्म कपड़े छोड़ देते हैं और ठंडे पेय पीने लगते हैं। शाम को ठंडी हवाएं शरीर को झटका देती हैं, जिससे वायरस और बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। डॉक्टरों के अनुसार फरवरी से मार्च और होली तक संक्रमण का खतरा अधिक रहता है। खानपान में लापरवाही और कमजोर इम्युनिटी से यह मौसम 'वायरल पीक सीजन' कहलाता है।

शिफ्टिंग के लिए बिजली कंपनी ने बनाया सात करोड़ रुपए का प्रस्ताव

बीच सड़क पर ट्रैफिक में अड़चन बन रहे 200 पोल और ट्रांसफार्मर शिफ्ट होंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर की सड़कों के बीच में ट्रैफिक में अड़चन बने बिजली के करीब 200 पोल और ट्रांसफार्मर हटाए जाएंगे। इन्हें पास में ऐसी जगह पर शिफ्ट किया जाएगा, जहां ट्रैफिक बाधित न हो। इस काम के लिए बिजली कंपनी ने करीब 7 करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाया है। शहर में जहां से बिजली के पोल शिफ्ट होने हैं, उनमें पीर गेट भवानी मंदिर के सामने, वंदे मातरम चौराहे से भोजपुर क्लब तरफ, वंदे मातरम चौराहे से 10 नंबर तरफ, लालघाटी चौराहा, काली मंदिर तिराहा कली मंदिर तिराहे से भारत टॉकीज के बीच, सेंट्रल लाइब्रेरी के पास, संगम तिराहा, नादरा बस स्टैंड से छोला मार्ग की तरफ, डीआईजी बंगला चौराहा, सिंधी कॉलोनी चौराहा, डीआईजी बंगला चौराहा से बैरसिया रोड की तरफ का हिस्सा शामिल हैं। बंसल प्लाजा से गणेश मंदिर, 10 नंबर से नेशनल हॉस्पिटल तरफ, 10 नंबर से साड़े 10 नंबर तरफ, रोहित नगर बावड़ियाकलां ब्रिज के पास, रंगमहल चौराहा, पलाश होटल तिराहा, डिपो चौराहा, जहांगीराबाद क्षेत्र, गणेश मंदिर, डीआईजी बंगला चौराहा से छोला अंडर ब्रिज की तरफ, मनीषा मार्केट तिराहा, बाबा

नगर तिराहा, चंचल चौराहा, काली मंदिर चौराहा, संत जी की कुटिया चौराहा, सिविल अस्पताल बैरागढ़, संत हिरदाराम कंपलेक्स बैरागढ़ और करोंद चौराहा भी इन इलाकों में शामिल हैं। बता दें कि सांसद शर्मा शहर की यातायात व्यवस्था की दुरुस्त करने के लिए अब तक कलेक्टर, कमिश्नर और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ पांच बैठकें कर चुके हैं। सांसद शर्मा लगातार इन कार्यों की समीक्षा भी कर रहे हैं। उनके प्रयासों से शहर में रोड एक्सीडेंट जैसी घटनाओं में कमी आएगी और जनता को आवागमन में सुगमता मिलेगी।

37 लेफ्ट टर्न पर काम जारी

3 माह में हटेंगे शहर के 16 ब्लैक स्पॉट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में 16 ब्लैक स्पॉट्स ऐसे हैं, जो सड़क हादसों की वजह बन रहे हैं। इन्हें हटाने का काम शुरू हो गया है। बीते दिनों जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जानकारी दी गई कि 16 में से 2 ब्लैक स्पॉट्स खत्म कर दिए गए हैं। अगले 3 महीने के अंदर सभी स्पॉट्स हटेंगे। ताकि, कोई हादसा न हो।

बीते दिनों जिला पंचायत सीईओ ईला तिवारी की अध्यक्षता में समिति की बैठक में निर्णय लिया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क के ब्लैक स्पॉट के आईडेंटिफिकेशन करने संयुक्त दलों निरीक्षण करेंगे। इसके बाद अगली कार्रवाई होगी। इस दौरान बताया कि शहरी क्षेत्र भोपाल 16 ब्लैक स्पॉट एवं 37 लेफ्ट टर्न पर कार्य जारी है। एमपीआरडीसी ने समरधा एवं पीडब्ल्यूडी ने डीबी मॉल के सामने के दो ब्लैक स्पॉट खत्म किए हैं। साथ ही एमपीआरडीसी आगे भी कार्रवाई कर रहा है। तीन ब्लॉक स्पॉट्स को हटाने के टेंडर भी जारी हो गए हैं। अगले तीन महीने में इन्हें डिजाइन किया जाएगा। सड़क सुरक्षा समिति के संयुक्त टीम समय-समय पर ब्लॉक स्पोर्ट्स पर जारी कार्यों का मैदानी निरीक्षण करेगी। जिसमें ट्रैफिक पुलिस, निर्माण एजेंसी करेगी।

आशाराम चौराहा से आनंद नगर तक एनएचएआई हटेगा

आशाराम चौराहा से आनंद नगर तक बनने वाले सिक्सलेन रोड के निर्माण को देखते हुए एनएचएआई के अधिकारी और ट्रैफिक पुलिस विभाग सिक्सलेन रोड के निर्माण तक संयुक्त बैठक एवं विजिट कर अल्टरनेट रोड और ट्रैफिक डायवर्ट का प्लान तैयार करें, ताकि ट्रैफिक की समस्या न हो।

अखिल भारतीय लघुकथा प्रतियोगिता के परिणाम घोषित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लघुकथा शोध केंद्र समिति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की लघुकथा प्रतियोगिता 'बढ़ते कदम' के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से कुल 306 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राप्त लघुकथाओं का मूल्यांकन अनुभवी एवं सम्मानित निर्णायकों द्वारा गंभीरता और निष्पक्षता के साथ किया गया। निर्णायकों के अंतिम निर्णय के अनुसार पुरस्कार इस प्रकार घोषित किए गए। प्रथम पुरस्कार 2100 'अपनी जमीन से कटना' डॉ. रमेश, मुंबई, द्वितीय पुरस्कार 1100 'अंतर्नाद' शील कौशिक, सिरसा हरियाणा, तृतीय पुरस्कार 501, 'जिंदा' राम करन, बस्ती उप्र, सांत्वना पुरस्कार, 'जीवन का सन्नाटा' विनीता राहुरीकर, भोपाल, 'खिड़किया' आरती सिंह 'एकता' नागपुर, 'स्मृतिदंश' मुकेश कुमार मृदुल, वैशाली बिहार को दिया गया। समिति ने सभी 306 प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सृजनात्मक भागीदारी ने प्रतियोगिता को अत्यंत समृद्ध और सार्थक बनाया। ये सभी पुरस्कार 8 मार्च को हिंदी भवन नई दिल्ली में अखिल भारतीय लघुकथा पर्व के अवसर पर प्रदान किये जायेंगे।

मेट्रो लाइन के साथ एलीवेटेड ब्रिज प्रस्तावित

500 करोड़ से बनेगा एलिवेटेड ब्रिज, 40 प्रतिशत कम होगा ट्रैफिक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के नर्मदापुरम रोड पर मेट्रो लाइन के साथ एलीवेटेड ब्रिज प्रस्तावित है। पहले यह बीयू से मिसरोद तक था। अब एंप्री से ही शुरू करने का नया प्रस्ताव है। एक्सटेंशन में 200 करोड़ रुपए अतिरिक्त मांगे जा रहे हैं, जबकि नर्मदापुरम रोड से समानांतर रेलवे ट्रैक से लगी हुई रोड की अनदेखी की जा रही है। मास्टर प्लान 2005 में तय होने के बावजूद ध्यान नहीं है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, इससे नर्मदापुरम रोड का नया बेहतर विकल्प लाने के साथ ट्रैफिक 40त्न कम किया जा सकता है।

एलीवेटेड रोड पर बजट 500 करोड़ रुपए है, जबकि समानांतर रोड 50 करोड़ रुपएरुपए से भी कम में बन जाएगी। इससे सरकार के 450 करोड़ रुपए आमजन के अन्य खर्च में उपयोगी हो सकते हैं। नर्मदापुरम रोड नेशनल हाईवे का हिस्सा है। इसके नाम पर केंद्र से बड़ी राशि मंजूरी हो जाएगी, जबकि समानांतर रोड पीडब्ल्यूडी की रोड है। कम वे जरूरी फंड ही आएगा। टाउन प्लानर सुयश कुलश्रेष्ठ के अनुसार, नर्मदापुरम रोड समानांतर विकसित की जाए तो एक नई चार लेन सड़क गणेश मंदिर से सीधे मिसरोद व आगे मंडीदीप तक कनेक्टिविटी दे सकती है। इससे नर्मदापुरम रोड का आधा ट्रैफिक डायवर्ट किया जा सकता है। स्ट्रक्चरल

इंजीनियर राजेश चौरसिया के अनुसार, नर्मदापुरम रोड से लगी रेलवे लाइन के दूसरी तरफ ईश्वर नगर, सीपी नगर के साथ बावड़िया कलां और मिसरोद का ग्रामीण व स्लम क्षेत्र है। विकास का पूरा भार नर्मदापुरम रोड के कटारा, विद्यानगर, नारायण नगर, जाटखेड़ी व आसपास के क्षेत्र पर हो रहा है। समानांतर रोड पर काम हो तो रेलवे लाइन के दोनों तरफ बेहतर विकास हो सकता है। टाउन प्लानर शीतल शर्मा के अनुसार, बीडीए की तीन योजनाएं रेलवे लाइन से मिसरोद व मंडीदीप की ओर तय है। समानांतर रोड से योजनाओं को लाभ मिलेगा। एंप्री से मिसरोद तक चार रेलवे ओवरब्रिज हैं। इसका लाभ दोनों क्षेत्रों की आवाजाही में मिलेगा। पीडब्ल्यूडी ईएनसी केपीएस राणा ने बताया कि अभी प्रस्ताव है। प्रारंभिक योजना तय हो रही है, जो भी बेहतर होगा निर्णय लिया जाएगा।

बाजारों में रौनक बढ़ी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रहमतों और बरकतों का महीना रमजान शहर में पूरे एहतराम और अकीदत के साथ शुरू हो गया है। रमजान को इबादत, सब्र और सखावत का महीना माना जाता है। मुस्लिम समुदाय रोजा रखकर अपने अहम फर्ज की अदायगी में मशगूल हो जाता है। घरों और मस्जिदों में तिलावत-ए-कुरआन का दौर शुरू हो गया है। जकात, फितरा और सदके के जरिए जरूरतमंदों की मदद पर भी खास जोर दिया जाएगा। उलेमाओं ने अपील की है कि इस मुबारक महीने में इबादत के साथ-साथ आपसी भाईचारा और अमन-ओ-अमान को मजबूत किया जाए। अफ्तार में उपयोगी सामग्रियों से सजे बाजार। चांद की तस्दीक के साथ ही शहर के जुमेराती, मंगलवारा, लक्ष्मी टॉकीज, जहांगीराबाद, काजी कैंप और बुधवारा जैसे बाजारों में रौनक बढ़ गई। अफ्तार सामग्री, खजूर, फल, इत्र, टोपी, कपड़े और दीनी किताबों की दुकानों पर खरीदार नजर आए। तरबूज, खरबूज, संतरा, केला, अंगूर और नारियल पानी की मांग को देखते हुए इन सामग्रियों से पुराने शहर के चौराहे भरे नजर आ रहे हैं। शहर के मुस्लिम इलाकों के होटलों में पर्दों का इंतजाम किया गया है, ताकि गैर-रोजेदार बिना झिझक खानपान कर सकें।

मेट्रो एंकर

भोपाल में पहली बार फेमिना मिस इंडिया-2026 का ग्रैंड फिनाले

धनुश्री बनीं विजेता, अब राष्ट्रीय मंच पर करेंगी प्रदेश का प्रतिनिधित्व

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में फेमिना मिस इंडिया-2026 का ग्रैंड फिनाले हुआ, जिसमें सिवनी की धनुश्री चौहान विनर रहीं। यह आयोजन 'सस्टेनेबिलिटी-फर्स्ट, जीरो-वेस्ट इवेंट' की थीम पर आधारित था। इसमें पूरे प्रदेश से चुनी गई 16 प्रतिभागी ताज के लिए मुकाबला कर रही थीं। अब विजेता राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। फेमिना मिस इंडिया की 60 वर्षों से अधिक पुरानी विरासत रही है। इस मंच ने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाली कई हस्तियां दी हैं। वर्ष 2026 में पहली बार इसका स्टेट ग्रैंड फिनाले मध्यप्रदेश में आयोजित किया गया।

फेमिना की सिटी डायरेक्टर अपेक्षा श्रीवास्तव ने बताया कि आज एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि 60 साल की लिगसी वाला फेमिना ब्रांड पहली बार भोपाल में आया है। यहां के विनर अब नेशनल फेमिना कंपटीशन में प्रदेश को रिप्रेजेंट करेगी। इस कंपटीशन के भोपाल में होने से न केवल राजधानी बल्कि प्रदेश के अन्य शहरों के युवाओं को भी उनके घर के पास बड़े इवेंट में पार्टिसिपेट करने का मौका मिला है। यह पहली सीढ़ी है, जो उन्हें उसे रास्ते पर ले जाती है, जिस पर चलकर प्रियंका चोपड़ा, ऐश्वर्या राय, हरनाज संधू जैसी बड़ी सेलिब्रिटी बनी। भोपाल में हो रहे आयोजन में पूरे प्रदेश से चुनी गई 16 प्रतिभागी हिस्सा ले रही थीं। भोपाल में हो रहे आयोजन में पूरे प्रदेश से चुनी गई 16 प्रतिभागी हिस्सा ले रही थीं। अपेक्षा श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार इवेंट की सबसे खास बात यह है कि न केवल भोपाल और इंदौर बल्कि मध्य प्रदेश के छोटे कस्बे और शहर जैसे रतलाम, शामगढ़, छिंदवाड़ा से कई पार्टिसिपेंट्स हैं।

150 प्रतिभागियों में से 16 फाइनलिस्ट रहीं

इस प्रतियोगिता में पूरे मध्यप्रदेश से लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न राउंड और स्क्रीनिंग के बाद ग्रैंड फिनाले के लिए 16 प्रतिभागियों का चयन किया गया था। ग्रैंड फिनाले में विजेता को स्टेट लेवल क्राउन दिया गया। इसके बाद करीब डेढ़ महीने बाद वह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अन्य राज्यों की विजेताओं के साथ मुकाबला करेंगी और मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस बार आयोजन की सबसे खास बात इसका कॉन्सेप्ट है।

गर्म तेल से भरी कढ़ाई में गिरा हलवाई, बुरी तरह झुलसा, मौत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

परवलिया इलाके में एक समारोह में खाना बनाते समय हलवाई गर्म तेल से भरी कढ़ाई में जा गिरा। साथियों ने करीब दो मिनट की मशक्कत के बाद उसे कढ़ाई से बाहर निकाला। तत्काल उसे हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। जहां 15 दिन चले इलाज के बाद गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। हादसे के समय युवक पूरियां तल रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सज्जाद अली पति हसन अली 34 साल निवासी गोंडीपुरा नई जेल हलवाई था। 4 फरवरी को मुबारकपुर में एक गार्डन में खाना बनाते समय चक्कर आ गए। इस दौरान वह तेल से भरी कढ़ाई में गिर गया। इस कढ़ाई में पूरियां तली जा रही थीं, जिससे युवक गंभीर रूप से झुलस गया। साथियों ने उसे किसी तरह से बाहर निकाला। इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहां गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। गुरुवार दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद बॉडी को परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

परिवार वाले तलाश रहे थे लड़की: सज्जाद की शादी नहीं हुई थी। उसके परिवार वाले लड़की तलाश रहे थे। वह चार भाईयों में दूसरे नंबर का था। शादी पार्टियों में खाना बनाने का आर्डर लेता था। हमेशा परिवार वालों को भोपाल का बड़ा केटरर बन कर दिखाने की बात कहता था।

इंदौर के रेसीडेंसी कोठी में गंभीर अव्यवस्थाओं और गंदगी का साम्राज्य

राज्यपाल को परोसी ठंडी चाय, भोजन में कीड़े, खाने से किया इनकार

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर प्रवास पर आए मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल को रेसीडेंसी कोठी में रुकने के दौरान गंभीर अव्यवस्थाओं और गंदगी का सामना करना पड़ा। कोठी में बिछाई गई गंदी बेडशीट, रसोई घर में व्याप्त गंदगी और परोसी गई ठंडी चाय को लेकर राज्यपाल ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। स्थिति इतनी खराब थी कि उन्होंने कोठी में भोजन करने से स्पष्ट इनकार कर दिया और एयरपोर्ट पर ही भोजन करने की बात कही। ज्ञात हो कि राज्यपाल मंगलवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए इंदौर पहुंचे थे। इस प्रोटोकॉल उल्लंघन और लापरवाही ने प्रशासनिक हलके में हड़कंप मचा दिया है।

रसोई घर के निरीक्षण में सामने आई चौकाने वाली गंदगी- मंगलवार सुबह राज्यपाल के आगमन से पूर्व एडीसी नरेंद्र रावत और अधिकारी विपुल शाह ने जब रेसीडेंसी कोठी की रसोई का औचक निरीक्षण किया, तो वहां के हालात देखकर वे दंग रह गए। किचन के भीतर कॉकरोच और कीड़े रेंगते हुए पाए गए। खाना बनाने के बर्तन पूरी तरह गंदे थे और वहां सड़े हुए आलू तथा सब्जियों के छिलके बिखरे पड़े थे। पैंट्री और फ्रिज की गहन जांच में भी भारी अनियमितताएं और गंदगी उजागर हुई। जब इन तमाम परिस्थितियों की जानकारी राज्यपाल को दी गई, तो उन्होंने स्वास्थ्य और स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए वहां भोजन न करने का कड़ा फैसला लिया।

लापरवाही का आलम केवल रसोई तक सीमित नहीं था, बल्कि राज्यपाल की सुरक्षा में तैनात उच्च अधिकारियों को जो बेडशीट दी गई थी, उस पर भी दाग और धब्बे मौजूद थे। जब सुरक्षा स्टाफ ने साफ बेडशीट की मांग की, तो वहां मौजूद कर्मचारियों ने कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। इस पर सुरक्षा अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी जताते हुए किचन इंचार्ज राकेश प्रताप सिंह और अमित शर्मा को जमकर फटकार लगाई। अव्यवस्थाओं को सुधारने के लिए आनन-

हाउस कीपिंग के कर्मचारियों की अपनी पीड़ा

इस पूरे घटनाक्रम के बीच हाउसकीपिंग से जुड़े कर्मचारियों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कर्मचारियों का दावा है कि उन्हें जुलाई 2023 से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि लंबे समय के इंतजार के बाद हाल ही में केवल चार लाख रुपए की राशि जारी की गई है। इस सेवा प्रदाता कंपनी के संचालक अमनवीर अरोरा बताए जा रहे हैं। कर्मचारियों के अनुसार वेतन न मिलने की वजह से सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिसका खामियाजा अब वीआईपी मेहमानों को भुगतना पड़ रहा है।

अपर कलेक्टर बोले भोजन में कीड़े मिलने की बात गलत

मामले के तूल पकड़ने पर किचन इंचार्ज राकेश प्रताप ने स्वीकार किया कि बेडशीट पर दाग होने के कारण राज्यपाल महोदय नाराज हुए थे। हालांकि, अपर कलेक्टर रोशन राय ने भोजन में कीड़े मिलने की खबरों का खंडन किया है। उनका कहना है कि भोजन में कीड़े मिलने की बात तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। यह भ्रामक जानकारी है और इस तरह से कुछ नहीं हुआ था। अपर कलेक्टर के अनुसार यह पूरा मामला मुख्य रूप से खराब व्यवहार और प्रबंधन की कमी से जुड़ा है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि लापरवाही बरतने वाली संबंधित एजेंसी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की गई है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर बोले- कंपनी की सेवाएं समाप्त की

कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि चर्चा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि राज्यपाल के ओ.एस.डी. द्वारा बेडशीट बदलने का अनुरोध किए जाने के बावजूद संबंधित सेवा प्रदाता रतन एम्पोरियम के कर्मचारी द्वारा यह कार्य नहीं किया गया। सुबह ओ.एस.डी. एवं ए.डी.सी. द्वारा किचन निरीक्षण में डस्टबीन बंद अवस्था में नहीं पाई गई तथा स्वच्छता की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। सोशल मीडिया पर खाद्य सामग्री में काकरोच पाए जाने संबंधी प्रचार पूर्णतः असत्य एवं भ्रामक है। राज्यपाल के स्टाफ द्वारा सिर्फ सफाई को लेकर असंतोष व्यक्त किया गया था। उक्त लापरवाही संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा एवं एडीएम द्वारा प्रबंधक रतन एम्पोरियम, रेसीडेंसी कोठी इंदौर को इस गंभीर कर्तव्यहीनता के लिए तत्काल सेवा समाप्त करने हेतु मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग इंदौर को निर्देश दिए गये। जिस पर मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रबंधक रतन एम्पोरियम को सेवा समाप्ति का नोटिस जारी किया गया। साथ ही सर्विस उत्तम स्थिति में नहीं होने से संबंधित फर्म की लंबित भुगतान राशि में से 20 से 30 प्रतिशत राशि की कटौती की जाएगी। कलेक्टर कार्यालय द्वारा जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों को उक्त लापरवाही को लेकर डिप्टी कलेक्टर सीमा कनेश मोर्य, तहसीलदार राजेश सोनी, श्रम निरीक्षक संजय पाटील, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अजय अस्थाना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। समस्त अधिकारियों के लिए प्रोटोकाल ड्यूटी एस.ओ.पी. जारी की गई है, जिसके चलते भविष्य में अतिथिगणों से संबंधित सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों एवं प्रोटोकाल के अनुसार अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। किचन एवं आवासीय परिसरों में स्वच्छता, सामग्री की गुणवत्ता तथा व्यवस्था की सतत निगरानी की जाए।

जनगणना-2027, राजधानी में एक मई से शुरू होगा सर्वे, तैयारियां तेज

भोपाल में दो दिन की ट्रेनिंग, समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में जनगणना-2027 की तैयारियां तेज हो गई हैं। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में जिला जनगणना समन्वय समिति की दो दिवसीय ट्रेनिंग सह बैठक आयोजित की गई। बैठक में तय किया गया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल मोड में की जाएगी और सभी काम तय समय-सीमा में पूरे होंगे।बैठक में अपर कलेक्टर, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। जनगणना कार्य निदेशालय के संयुक्त संचालक नमित यादव और सहायक संचालक ऐन्सी रेजी ने पहले चरण के मकान सूचीकरण (1 मई से 30 मई 2026) की प्रक्रिया पर प्रशिक्षण दिया।

दो चरणों में होगी जनगणना

पहला चरण: 1 से 30 मई 2026 - मकान सूचीकरण और मकानों की गणना

दूसरा चरण- फरवरी 2027 से - जनसंख्या गणना

पहली बार पूरी तरह डिजिटल व्यवस्था

जनगणना-2027 देश की 16वीं और आजादी के बाद 8वीं जनगणना होगी। इस बार पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी। नागरिकों को पहली बार स्व-गणना (सेल्फ एन्युमरेशन) का विकल्प भी मिलेगा। डाटा मोबाइल एप और वेब पोर्टल के जरिए भरा जाएगा। मकान सूचीकरण के दौरान भवन उपयोग सहित 33 बिंदुओं पर जानकारी दर्ज की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मानव संसाधन, मकान सूचीकरण ब्लॉक और टीमों का गठन समय पर कर उनका प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जनगणना का काम गुणवत्ता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ पूरा किया जाए, ताकि जिले के सटीक आंकड़े सामने आ सकें।

सीएस ने कलेक्टरों ने लगाई पाठशाला, दिए अहम निर्देश

स्कूलों में नए नाम बढ़ाएं, ड्रॉपआउट शून्य करें पंचायत स्तर पर आय के स्रोत करें विकसित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा है कि पंचायत स्तर पर आय के नए स्त्रोत तलाशें। शिक्षा विभाग की योजनाओं की जिलों में क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव जैन ने नए नामांकन बढ़ाने और ड्राप आउट को जीरो करने पर जोर दिया। जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजना की समीक्षा करते हुए रीवा, सिंगरौली, मऊगंज, सीधी, मुरैना और भिंड कलेक्टर्स को कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जैन ने कहा कि कलेक्टर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन तय करें। आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य के विकास कार्यों को प्रमुखता दें।

मुख्य सचिव जैन ने मंत्रालय में कलेक्टर- कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि केंद्र प्रवर्तित योजनाओं और निर्माण कार्यों को समय अवधि में पूर्ण करें। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में योजना बनाकर क्रियान्वयन में शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल किया जाना तय करें।

चयनति गांवों को आदर्श ग्राम के रूप में करें विकसित

मुख्य सचिव जैन ने ग्रामीण विकास एवं जनजातीय कार्य की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना में चयनित गांवों को बुनियादी सुविधाओं, गौपालन और डेयरी विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर और आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने के लिए 31 मार्च तक विजन डॉक्यूमेंट को पूर्ण करने के निर्देश दिए। समीक्षा में उन्होंने पंचायत स्तर पर नए राजस्व स्रोतों को विकसित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव जैन ने जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजना की समीक्षा करते हुए रीवा, सिंगरौली, मऊगंज, सीधी, मुरैना और भिंड कलेक्टर्स को कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये। जिला पंचायत और जनपद पंचायत के नवीन स्वीकृत भवनों के लिए निवाड़ी, पांढुर्ना, नीमच, बैतूल, हरदा, अशोकनगर, ग्वालियर, शिवपुरी और भिंड को शीघ्रता से भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव जैन ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य ऐसे क्षेत्र है जो समाज के भविष्य को प्रभावित करते है। प्रदेश और समाज के विकास के लिए इन दोनों क्षेत्र में काम करना आवश्यक है।

इंदौर में जनता चौपाल में महिला ने महापौर को घेरा, पूछा-

निगम कर्जे में है तो अच्छी खासी सड़कें खोदकर दोबारा क्यों बनाई जा रहीं

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर शहर की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शुरू हुई जनता चौपाल में बुधवार को उस वक्त असहज स्थिति बन गई, जब चौपाल के दौरान एक महिला ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव को घेर लिया। महिला ने महापौर से कहा कि एक तरफ कहा जाता है कि निगम कर्जे में है, दूसरी तरफ अच्छी-खासी सड़क खोदकर दोबारा बनाई जाती है। चौराहे पर एक गड्ढा है। उसके पास सुरक्षा इंतजाम तक नहीं किए गए। न जाने कितने लोग दुर्घटना का शिकार हुए। आपके आने से 10 मिनट पहले गड्ढे को सही किया गया। यह चीज आपके आने पर ही क्यों हुई। महिला ने महापौर को नसीहत देते हुए कहा कि मेरी आपसे रिक्वेस्ट है, प्लीज आप गाड़ी से नहीं, जनता के साथ चलिए, रूबरू होकर समस्याएं सुनिए। पार्षदों से बोलिए कि घर-घर जाएं, जनता की समस्याएं सुनें।

टीना गौड़ ने कहा कि आपका नाम ही काफी होना चाहिए- महापौर वार्ड 84 में द्वारकापुरी उद्यान में आयोजित जनता चौपाल में शामिल हुए थे। उन्होंने स्थानीय पार्षद के साथ वार्ड का दौरा किया। इसके बाद जनता चौपाल में जनता की समस्याएं सुनीं। इस दौरान टीना गौड़ नामक महिला ने महापौर से कहा कि आपका नाम ही काफी होना चाहिए, बार-बार दौरा करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। महिला ने आरोप लगाया कि एक तरफ निगम कर्ज में होने की बात कहता है, दूसरी तरफ अच्छी सड़कों को खोदकर नई सड़कें बनाई जा रही हैं। अच्छे खासे पेवर उखाड़कर नए लगाए जा रहे हैं। महापौर ने कहा कि जनता के सुझावों पर जरूर अमल किया जाएगा और समस्याओं के समाधान की कोशिश की जाएगी।

ये समस्याएं भी बताईं रहवासियों ने

- क्षेत्र में लोग तेजी से वाहन चलाते हैं। स्पीड ब्रेकर नहीं है। द्वारकापुरी और आसपास की कालोनियां कब पूर्ण रूप से वैध होंगी।
- रहवासियों ने क्षेत्र में अतिक्रमण को लेकर शिकायत की। इस पर महापौर ने कहा कि दुकानदारों, ठेला संचालक और अतिक्रमणकर्ता एक सप्ताह के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटा लें। तय समय में बाधक अतिक्रमण नहीं हटे तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।
- रहवासियों ने क्षेत्र में नशे की स्थिति पर चिंता जताई। महापौर ने कहा कि पुलिस प्रशासन तेजी से कार्रवाई कर रहा है।
- रहवासियों ने क्षेत्र में कम दबाव से पानी आने की समस्या बताई। कहा कि कई लोग मोटर से लाइन का पानी खींच लेते हैं महापौर ने मोटर जब्त करने की कार्रवाई के निर्देश दिए।
- रहवासियों ने सुझाव दिया कि सब्जी मंडी को ब्रिज के नीचे शिफ्ट कर दिया जाए ताकि ट्रैफिक जाम से राहत मिले।

भारत में हमेशा से कौशल की परम्परा रही है : परमार

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि भारत हमेशा से ÷कौशल÷ का देश रहा है। भारत में, कौशल परम्परागत रूप से विद्यमान रहा है और यही कौशल अतीत में भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी रहा है। आज भी ग्रामीण भारत में, कौशल पीढ़ी दर पीढ़ी स्थानांतरित हो रहा है। ग्रामीण भारत के इस परंपरागत कौशल को वर्तमान परिदृश्य की आवश्यकता अनुरूप, आधुनिक तकनीकों के साथ जोड़कर युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में, राज्य सरकार युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

नवकरणीय ऊर्जा के लिए क्लाइमेट वीक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुंबई में क्लाइमेट वीक 2026 में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विजन टू रियलिटी मध्यप्रदेश जर्नीक क्रार्यक्रम को संबोधित किया।

मेट्रो एंकर

52वां अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह आज से

7 दिन शास्त्रीय शैलियों के नृत्य एवं संवाद का होगा समागम

खजुराहो, दोपहर मेट्रो

विश्वविख्यात मंदिर की पृष्ठभूमि में आयोजित होने वाला 52वां अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह इस वर्ष भी भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध शैलियों का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा। इस 7 दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव में देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। समारोह में भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मणिपुरी और मोहिनीअट्टम जैसी प्रमुख शास्त्रीय शैलियों की प्रस्तुति दी जाएगी। प्राचीन मंदिरों की भव्यता और प्रकाश सज्जा के बीच कलाकारों की अभिव्यक्ति भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को जीवंत करेगी।

हर वर्ष की तरह इस बार भी देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक और कलारसिक शामिल होंगे। यह समारोह न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है, बल्कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य की वैश्विक पहचान को भी सशक्त करता है। संस्कृति विभाग की उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर एवं जिला प्रशासन - छतरपुर के सहयोग से '52वाँ खजुराहो नृत्य समारोह' 20 से 26 फरवरी, 2026 तक मंदिर परिसर, खजुराहो में आयोजित किया जा रहा है। इस 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आयोजन में देश के सुप्रतिष्ठित एवं उदीयमान नर्तक - नृत्यांगनाएं अपनी साधनारत प्रस्तुतियों से भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध परम्पराओं को मंच पर साकार करेंगी। साथ ही इस समारोह को सांस्कृतिक समागम बनाने की दृष्टि से विविध कला विधाओं से सम्बंधित गतिविधियों को आयोजित किया जा रहा है, ताकि यह समारोह भव्य और स्मरणीय बन सके।

सीएम के विजन अनुसार इस वर्ष खजुराहो नृत्य समारोह को शास्त्रीय नृत्य की प्रेरणा और आधार 'नटराज' की थीम पर केंद्रित किया गया है। यह थीम भारतीय दर्शन, सृजन और लयबद्ध जीवन दृष्टि का प्रतीक है, जो समारोह को एक गहन आध्यात्मिक आयाम प्रदान करेगा।

31 कलाकारों का किया गया चयन

52वें खजुराहो नृत्य समारोह में प्रथम बार सांस्कृतिक रैली में विभिन्न विधाओं एवं परंपराओं के नृत्य कलाकार खजुराहो के विभिन्न मार्गों से होते हुए मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। महोत्सव में देश के 10 से 16 वर्ष आयु वर्ग के युवा शास्त्रीय नृत्य कलाकारों को सहभागिता के लिए एक राष्ट्रीय मंच राष्ट्रीय बाल नृत्य महोत्सव - 2026 प्रदान किया जा रहा है। प्रस्तुति देने के लिए वरिष्ठ कला गुरुओं द्वारा 31 नृत्य कलाकारों का चयन किया गया है। पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों के लिए खजुराहो नृत्य समारोह के दौरान आनुषंगिक गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इसमें खजुराहो कार्निवाल, 'नटराज' प्रदर्शनी में 50 नृत्यरूपों का प्रदर्शन, लयशाला : नृत्य शैलियों के श्रेष्ठ गुरुओं एवं शिष्यों का संगम, कलावार्ता : कलाविदों एवं कलाकारों के मध्य संवाद, आर्ट - मार्ट : चित्रकला प्रदर्शनी, सृजन : पारम्परिक शिल्प निर्माण तकनीक का प्रदर्शन, हुनर ÷ पारम्परिक शिल्पों का प्रदर्शन सह विक्रय और स्वाद ÷ देशज व्यंजन प्रमुख आकर्ष होंगे।

फ्रीबीज की राजनीति

नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने देश की राजनीति और शासन व्यवस्था के सामने एक असहज लेकिन जरूरी सवाल खड़ा कर दिया है- क्या मुफ्त योजनाओं की होड़ हमें सचमुच विकास की ओर ले जा रही है, या हम अनजाने में एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं, जो आत्मनिर्भरता के बजाय स्थायी निर्भरता को जन्म देती है? अदालत ने जिस स्पष्टता और दृढ़ता के साथ 'फ्रीबीज कल्चर' पर चिंता जताई है, वह केवल कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक आत्ममंथन का आह्वान है। आज लगभग हर चुनाव से पहले और बाद में राजनीतिक दलों की ओर से मुफ्त बिजली, पानी, अनाज, नकद सहायता और तमाम सुविधाओं की घोषणाएं की जाती हैं। इन वादों का उद्देश्य अक्सर जनकल्याण बताया जाता है, लेकिन इनके पीछे छिपी आर्थिक सच्चाई कहीं अधिक जटिल है। अधिकांश राज्य पहले से ही भारी राजस्व घाटे में हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि इन योजनाओं का वित्तीय बोझ आखिर कौन उठाएगा? अंततः इसका भुगतान वही आम नागरिक करता है, जो कर देता है और महंगाई की मार भी झेलता है। सुप्रीम कोर्ट ने सही ही कहा कि संसाधनों का उपयोग यदि रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे के विकास में किया जाए, तो उसका असर कहीं अधिक स्थायी और सकारात्मक होगा। मुफ्त की योजनाएं तत्काल राहत तो दे सकती हैं, लेकिन वे भविष्य की नींव नहीं बनातीं। जब सरकारें काम के अवसर पैदा करने के बजाय सीधे सहायता बांटने लगती हैं, तो समाज में परिश्रम और आत्मनिर्भरता का भाव कमजोर पड़ता है। धीरे-धीरे एक ऐसी मानसिकता जन्म लेती है, जिसमें अधिकार की तरह मदद की अपेक्षा की जाने लगती है। यह भी विचारणीय है कि क्या सभी को समान रूप से मुफ्त सुविधाएं देना न्यायसंगत है। क्या आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग को भी वही लाभ मिलना चाहिए, जो किसी गरीब या जरूरतमंद को? यदि लक्ष्य सच में सामाजिक न्याय है, तो योजनाओं को लक्षित और पारदर्शी होना चाहिए। अंधाधुंध वितरण न केवल संसाधनों की बबार्दी है, बल्कि वास्तविक जरूरतमंदों के हिस्से को भी कम करता है। अदालत की टिप्पणी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम किस तरह का भारत गढ़ना चाहते हैं- एक ऐसा देश जो अनुदानों और रियायतों पर टिका हो, या ऐसा राष्ट्र जो अवसर, परिश्रम और आत्मनिर्भरता के आधार पर आगे बढ़े। विकास की राह कठिन जरूर है, लेकिन वही टिकाऊ भी है। मुफ्त की घोषणाओं से तात्कालिक तालियां तो मिल सकती हैं, पर मजबूत अर्थव्यवस्था और सशक्त समाज का निर्माण नहीं होता।

एआई समिट में रोबोडॉग मामला , प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं।

पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर शिक्षा तक पहुँच बढ़ने और जनसांख्यिकीय लाभ के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ तो इसकी क़ीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी पर गुणवत्ता लगातार गिरती चली गई। आज देश के अधिकांश-हालाँकि सभी नहीं—निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं बल्कि लेन-देन बनती जा रही है- पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है।

यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है जहाँ कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियाँ प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य- जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था—अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियाँ तो दी जा रही हैं लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही। इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएँ नहीं समझा पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियाँ हैं। स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोज़गार क्यों है। अक्सर इस असंतोष का निशाना सरकार बनती है, जिस पर रोजगार सृजन न कर पाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार योग्य ही नहीं हैं।

यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियाँ उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बाँटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढाँचे में मिलता है। भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है। मान्यता प्रणालियाँ, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे। लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएँ अक्सर वास्तविक मूल्यांकन की बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं। निरीक्षण प्रायः पूर्व निर्धारित होते हैं। दस्तावेज़ औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढाँचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति- इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को 'मैनेज' करना सीख लेते हैं।

इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है- संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियाँ लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की क़ीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है। विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोज़गारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है जहाँ प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियाँ नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी ख़र्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाख़िला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज़्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है। यह केवल अन्याय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की बर्बादी है।

संस्थानों की जवाबदेही तय करनी होगी। जो कॉलेज और विश्वविद्यालय लगातार अकादमिक रूप से असफल हो रहे हैं, उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए- सीटों में कटौती, पाठ्यक्रम निलंबन या मान्यता रद्द करने तक। उच्च शिक्षा ऐसा व्यवसाय नहीं हो सकता जहाँ असफलता की कोई क़ीमत न चुकानी पड़े। छात्रों और अभिभावकों को भी अधिक सजग होना होगा। केवल मार्केटिंग, बुनियादी ढाँचे और ब्रांडिंग के आधार पर निर्णय लेना भविष्य के साथ समझौता है। शिक्षा कोई साधारण ख़रीद नहीं बल्कि बौद्धिक और व्यावसायिक विकास में निवेश है और ग़लत निर्णयों के दूरगामी परिणाम होते हैं। अंततः, उच्च शिक्षा का उद्देश्य डिग्री बाँटना नहीं बल्कि सोचने-समझने वाले, सक्षम और ज़िम्मेदार नागरिक तैयार करना है। जब तक यह मूल उद्देश्य पुनः स्थापित नहीं होता, तब तक रोबोडॉग जैसे विवाद आते रहेंगे- कुछ समय के लिए शोर मचाएँगे और फिर शांत हो जाएँगे, जबकि असली संकट जस का तस बना रहेगा। हमें सजावटी सुधार नहीं, बल्कि प्रणालीगत आत्ममंथन चाहिए। क्योंकि शिक्षा का संकट केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, वह चुपचाप राष्ट्र का भविष्य गढ़ता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सामाजिक न्याय का विश्व दिवस

कमजोर तबके को न्याय की उपलब्धता बने समाज की सच्ची प्रगति और विकास की कसौटी

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

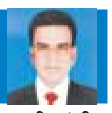

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना न्यायपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। 20 फरवरी को मनाया जाने वाला सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। इस दिवस की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता और भेदभाव जैसी जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए देशों के बीच साझा प्रतिबद्धता को मजबूती मिल सके।

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनाना: सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा।

यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढ़ांचों को तेजी से बदला है। इन बदलावों का लाभ जहां कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएं, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल नैतिक आदर्श नहीं, नीति और शासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है।

सामाजिक न्याय की अवधारणा अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी है। इसका मतलब यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिले बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म, जन्म स्थान या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तब यह स्पष्ट संकेत होता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर संकट खड़े कर दिए हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता सामने आती है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता और भरोसे की आधारशिला हैं।

भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है जबकि मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से आरक्षण नीति, सामाजिक कल्याण योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश तथा कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। बावजूद इसके, क्षेत्रीय असमानताएं, शहरी-ग्रामीण विभाजन, डिजिटल डिवाइड और लैंगिक विषमता जैसी चुनौतियां आज भी बनी हुई हैं।

सामाजिक न्याय का विश्व दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि क्या हमारी नीतियां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, क्या शिक्षा और रोजगार के अवसर वास्तव में समान हैं और क्या विकास का लाभ संतुलित रूप से बंट रहा है? यह दिवस यह भी याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई किसी एक देश या सरकार की नहीं बल्कि वैश्विक सहयोग और सामूहिक प्रयास की मांग करती है। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस 2026 इस सत्य को दोहराता है कि सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब कोई भी पीछे न छूटे। समावेशन और सशक्तिकरण केवल शब्द नहीं बल्कि रोजमर्रा के निर्णयों, नीतियों और सामाजिक व्यवहारों में उतारने योग्य जिम्मेदारी हैं। जब हर व्यक्ति को समान गरिमा, अवसर और सुरक्षा मिलती है, तभी न्याय कागजों से निकलकर जीवन की वास्तविकता बनता है और एक अधिक मानवीय, समावेशी तथा न्यायपूर्ण विश्व का निर्माण संभव हो पाता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

पानी, वाणी और कमाई
संभालकर खर्च करना
क्योंकि भविष्य में इन तीनों के
बिना कोई भविष्य नहीं है।
–अज्ञात

निशाना

छोटा तीर कमान जरा सी..!

बसंत कुमार शर्मा

है अपनी पहचान ज़रा सी।
अधरों पर मुस्कान ज़रा सी।
राह प्रेम की मुश्किल है, पर,
होती नहीं थकान ज़रा सी।
मैं शिकार करता भी कैसे,
छोटा तीर, कमान ज़रा सी।
आसमान को अखर रही है,
मेरी एक उड़ान ज़रा सी।
राह झूठ की खड़ी रोक के,
सच की है चट्टान ज़रा सी।
छोड़ महल जा नदी किनारे,
प्यारे मस्ती छान ज़रा सी।
किस किस को चंदा दे दे वो,
जिसकी पास दुकान ज़रा सी।
कितना बोझ उठाए बचपन,
बस्ता भारी जान ज़रा सी।
ऐसा वैसा मत समझो तुम,
अपनी भी है शान ज़रा सी।
करती रहती बड़े धमाके,
होती भले ज़बान जरा सी।
इतना ही कहता हूँ ग़ज़ल से,
हो जा रस की खान ज़रा सी।

हेल्थ टिप्स

घुटनों के दर्द से राहत के लिए आजमा सकते हैं कुछ असरदार योगासन

घुटनों का दर्द और जकड़न एक आम समस्या है। कई कारणों से जोड़ों में अकड़न बढ़ जाती है और चलने-फिरने में परेशानी होने लगती है। ऐसे में योग विशेषज्ञ प्रशांत पोखरियाल ने कुछ ऐसे आसान आसन बताए हैं, जिन्हें रोज़ाना करने से घुटनों को मजबूती और दर्द से राहत मिल सकती है।

दंडासन: सबसे पहले जमीन पर सीधे बैठकर दोनों पैरों को सामने की ओर फैलाएं। हाथों को शरीर के पीछे जमीन पर टिकाएं। पेट अंदर की ओर खींचें, छाती बाहर रखें और गर्दन सीधी रखें। अब पैरों को अपनी ओर खींचें और एड़ी को बाहर की दिशा में दबाव दें। घुटनों को ऊपर की ओर खींचते हुए जांघों की मांसपेशियों को कसें। इस स्थिति में करीब 20 सेकंड तक रुकें। यह आसन घुटनों के आसपास की मांसपेशियों को सक्रिय करता है और स्थिरता बढ़ाता है।

बेल्ट के साथ दंडासन अभ्यास: यदि घुटनों में ज्यादा दर्द है तो योग बेल्ट का उपयोग किया जा सकता है। बेल्ट को पैरों के तलवों पर लगाकर एड़ी को बाहर की ओर दबाएं। हथेलियां शरीर के पास रखें और कोहनियों को नीचे की ओर खींचें। पिंडली की मांसपेशियों को बाहर की ओर हल्का दबाव दें और ध्यान रखें कि नी-कैप ऊपर की ओर स्थिर रहे। जांघें कसी हुई हों। इस स्थिति में 30 सेकंड तक रुकें। यह अभ्यास घुटनों को अतिरिक्त सपोर्ट देता है।

दंडासन की स्थिति से ही पैर को अपनी ओर लॉक करें। अब सांस अंदर लेते हुए पैर को साइड की ओर ले जाएं और सांस छोड़ते हुए नीचे लाएं। इस क्रिया को 3 से 5 बार दोहराएं। सांसों के साथ यह मूवमेंट करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और जोड़ों की जकड़न कम होती है।

घुटना चक्रासन: अंत में घुटना चक्रासन करें, घुटनों को 10 बार घड़ी की दिशा में घुमाएं और फिर 10 बार विपरीत दिशा में घुमाएं। यह अभ्यास घुटनों में लचीलापन बढ़ाता है और जोड़ों की गतिशीलता को बेहतर बनाता है। नियमित अभ्यास से सर्दियों में होने वाला दर्द धीरे-धीरे कम हो सकता है।

योगाचार्य प्रशांत पोखरियाल बताते हैं कि इन आसनों को रोज़ाना करने से घुटनों को मजबूती मिलती है, लेकिन यदि दर्द पुराना या गंभीर है तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

नॉलेज

सूर्य ग्रहण के दौरान दिखी हलचल, रहस्य सुलझाने में वैज्ञानिकों को मिलेगी कामयाबी

यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई के वैज्ञानिकों ने सूर्य के रहस्यों को सुलझाने की दिशा में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। रिसर्चर्स ने सूर्य के बाहरी वायुमंडल यानी कोरोना में ऊर्जा के मूवमेंट को लेकर नए सबूत पेश किए हैं। इस स्टडी के लिए वैज्ञानिकों ने पूर्ण सूर्य ग्रहण जैसी दुर्लभ घटनाओं का सहारा लिया। इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोनॉमी की शादिया हब्बल के नेतृत्व में एक टीम ने 12 साल से अधिक के ऑब्जर्वेशन का एनालिसिस किया है। इस रिसर्च में पहली बार सूर्य के कोरोना में टर्बुलेंट स्ट्रक्चर्स यानी अशांत संरचनाओं की पहचान की गई है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि ये लहरें सूर्य की सतह से बहुत दूर तक अपना अस्तित्व बचाए रखती हैं। यह स्टडी 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल' में पब्लिश हुई है।

सूर्य से निकलने वाली ऊर्जा और लपटें सीधे तौर पर पृथ्वी के वातावरण और टेक्नोलॉजी को प्रभावित करती हैं। शादिया हब्बल ने बताया कि यह रिसर्च हमें यह समझने में मदद करती है कि सूर्य अंतरिक्ष में ऊर्जा कैसे ट्रांसफर करता है। यह पूरी प्रक्रिया स्पेस वेदर यानी अंतरिक्ष के मौसम को प्रभावित करती है। अगर सूर्य में होने वाली ये हलचलें तेज होती हैं, तो इससे पृथ्वी पर मौजूद सैटेलाइट्स, कम्युनिकेशन नेटवर्क और पावर ग्रिड सिस्टम ठप हो सकते हैं। इन टर्बुलेंट लहरों के सोर्स को समझना बहुत जरूरी है। जब हमें पता होगा कि ये लहरें कहां से पैदा हो रही हैं, तभी हम इनके खतरों की सटीक भविष्यवाणी कर पाएंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार यह खोज भविष्य में सौर तूफानों से निपटने की हमारी क्षमता को कई गुना बढ़ा देगी।

रिसर्च टीम ने करीब 12 साल के डेटा की तुलना की है, जिसमें एक पूरा सोलर साइकिल शामिल है। इस दौरान उन्होंने इन गतिविधियों का असली ठिकाना 'प्रोमिनेंस' को पाया है। प्रोमिनेंस सूर्य की सतह पर बनी बड़ी और लूप जैसी संरचनाएं होती हैं। ये अपने आसपास मौजूद लाखों डिग्री गर्म प्लाज्मा की तुलना में काफी ठंडी और घनी होती हैं। जब ये ठंडे और गर्म क्षेत्र आपस में मिलते हैं, तो तापमान और घनत्व में अचानक बदलाव आता है। यही वह स्थिति है जो अस्थिरता पैदा करती है और टर्बुलेंट मोशन को जन्म देती है। वैज्ञानिकों ने देखा कि ये अशांत लहरें सूर्य के पास बनती हैं और फिर सोलर विंड के साथ बाहर की ओर बहने लगती हैं।

शादिया हब्बल ने अपनी रिसर्च में साफ किया है कि ये अशांत संरचनाएं सूर्य के पास पैदा होने के बाद खत्म नहीं होतीं। स्पेस-बेस्ड इमेजेस के जरिए वैज्ञानिकों ने इनका पीछा किया और पाया कि ये बहुत लंबी दूरी तय करने के बाद भी वैसी ही बनी रहती हैं। इसका मतलब है कि सूर्य से निकलने वाली सोलर विंड इन अशांत लहरों को अपने साथ पूरे सौर मंडल में ले जाती है। यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि लंबे समय से कोरोना के गर्म होने और सोलर विंड की रफ्तार बढ़ने के पीछे टर्बुलेंस को ही मुख्य कारण माना जाता रहा है। अब पहली बार वैज्ञानिकों के पास इसके पुख्ता सबूत हैं कि यह प्रोसेस कैसे शुरू होता है और कैसे विकसित होता है।

यूज़र्स गाइड

5000 तक की खरीदारी फोन - पे से चेहरा दिखाकर या अंगूठा लगाकर हो सकेगी

फोन पे से UPI पेमेंट करना अब और भी आसान हो जाएगा। PhonePe ने UPI ट्रांजैक्शन के लिए बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन शुरू कर दिया है। इसका मतलब है कि लोगों को फोनपे के जरिए यूपीआई पेमेंट करने के लिए पिन डालने की जरूरत नहीं होगी। वे बायोमैट्रिक के जरिए ऑनलाइन पेमेंट कर पाएंगे। मौजूदा रेगुलेटरी गाइडलाइंस के मुताबिक, 5000 रुपये तक के ट्रांजैक्शन के लिए पिन डालने की जरूरत नहीं होगी। लोग अपने फोन पर फिंगरप्रिंट या फेशियल रिकग्निशन का इस्तेमाल करके पेमेंट कर पाएंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार, फिनटेक ने कहा कि फोनपे का ये फीचर पेमेंट फ्लो में रुकावट को कम करने के लिए लाया गया है ताकि लोग आसानी से और जल्द पेमेंट कर पाएं। साथ ही, यह फीचर सिक्योरिटी को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। इस फीचर के तहत कम वैल्यू वाले ट्रांजैक्शन के लिए स्मार्टफोन के नेटिव सिक्योरिटी स्टैक को दूसरे ऑथेंटिकेशन फैक्टर के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, ध्यान रखें कि यह केवल 5000 रुपये तक का पेमेंट करने के लिए है। बड़े ट्रांजेक्शन के लिए अभी भी PI PIN की जरूरत होगी। इसका मतलब है राशन, खान-पीना, शॉपिंग आदि छोटे-मोटे पेमेंट के लिए अब यूपीआई पिन की जरूरत नहीं होगी। यूजर को फोनपे पर बस अपनी फिंगर या फिर फेस अनलॉक के जरिए पेमेंट कर पाएंगे। बड़े ट्रांजेक्शन के लिए अभी भी पिन की जरूरत है।

PhonePe के पेमेंट्स हेड, दीप अग्रवाल ने कहा है कि वे बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन को इंटीग्रेट करके बिना किसी रुकावट के पेमेंट एक्सपीरियंस की ओर एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। यह फीचर ना सिर्फ समय बचाता है बल्कि सिक्योरिटी की एक हार्डवेयर-ग्रेड लेयर भी जोड़ता है, जो यूजर्स को उनके रोजमर्रा के माहौल में सुरक्षित रखता है।

इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले PhonePe ऐप खोलें। फिर अपनी प्रोफाइल पर जाएं। इसके बाद मैनेज पेमेंट्स पर टैप करें। अब आपको बायोमेट्रिक पे आइकन पर टैप करना है। अपने बैंक अकाउंट के UPI पेमेंट्स के लिए बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन चालू करें।

एक बार के सेटअप के लिए अपने UPI PIN और बायोमेट्रिक का इस्तेमाल करके कन्फर्म करें। अब आप बिना पिन के पेमेंट कर पाएंगे। ?

न्यूज विंडो

चित्रकूट में गूंजा भरत का त्याग, सीताराम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

गंजबासौदा। चित्रकूट धाम में नौ दिवसीय श्री सीताराम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत भरत चरित्र कथा एवं पंचकुंडीय सीताराम महायज्ञ का शुभारंभ गुरुवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। रामघाट से मंदाकिनी जल भरकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन संपन्न हुआ तथा ढोल-नगाड़ों, शंखनाद और जयघोष के साथ कलश यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए सनकादिक तपोवन आश्रम पहुंची। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यज्ञाचार्य पं. केशव शास्त्री के आचार्यत्व में पंचकुंडीय महायज्ञ प्रारंभ हुआ। कथा व्यास श्रीमहंत राम मनोहर दास ने भरत चरित्र का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि चित्रकूट त्याग, सेवा और मर्यादा की जीवंत पाठशाला है, जहां भरत ने सत्ता त्यागकर भक्ति का आदर्श स्थापित किया। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि अधिकार से पहले दायित्व को अपनाएं और राम-भरत के आदर्शों को जीवन में उतारें। कथा 19 से 28 फरवरी तक प्रतिदिन आयोजित होगी।

शिवाजी जयंती पर शिवसेना ने वेदांत आश्रम में किया माल्यार्पण, बांटी मिठाई

गंजबासौदा। छत्रपति शिवाजी की जयंती के उपलक्ष्य में शिवसेना द्वारा वेदांत आश्रम में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिवाजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया तथा उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान आश्रम में अध्ययनरत छात्रों को स्टेशनरी सामग्री, फल एवं मिठाई का वितरण किया गया। शिवसैनिकों ने कहा कि छत्रपति शिवाजी का जीवन साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देता है। युवाओं को उनके आदर्शों पर चलकर समाज व राष्ट्र के निर्माण में योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर शिवसेना जिला अध्यक्ष विजेंद्र देवा लोधी, जिला मंत्री जितेंद्र कुशवाहा, मनीष कुर्मी, नगर अध्यक्ष अनिकेत राजपूत, अमोल लोधी, रोहित राजपूत, राहुल लोधी, सुरेश लोधी, संतोष, नंदकिशोर, अरुण सहित सैकड़ों शिवसैनिक उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविर में सुनीं समस्याएं

सिरोंज। नगर में संकल्प से समाधान अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9, 10, एवं 11 में आयोजित किया गया। शिविर में संकल्प से समाधान अभियान के प्रथम चरण में जो हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त हुए थे, उनका निराकरण कर द्वितीय चरण में हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 9, 10, एवं 11 के 12 हितग्राहियों को वार्ड पार्षद द्वारा लाभान्वित कर स्वीकति पत्र वितरण किए गए हैं, जिसमें पार्षद जय नारायण जी सेन राजू कुशवाहा धर्मेंद्र जैन उपयंत्री अखिलेश मार्को समग्र विस्तार अधिकारी संतोष सहरिया, बद्री प्रसाद शर्मा, कुमारी ज्योति दुबे और निकाय के अधिकारी कर्मचारी एवं अधिक संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत के लिए तीन खंडपीठों का किया गठन

सिरोंज। न्यायालय प्रांगण सिरोंज में प्रस्तावित 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के दिशा-निर्देश अनुसार लोक अदालत के सफल आयोजक के लिए केटेगरी अनुसार प्री लिटिगेशन एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु सिरोंज तहसील विधिक सेवा समिति सिरोंज जिला विदिशा द्वारा तीन खंडपीठों का गठन किया गया है प्रथम खंडपीठ में पीठासीन अधिकारी विजय कुमार पांडे द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सिरोंज के रूप में बनाए गए हैं एवं खंडपीठ द्वितीय पीठासीन अधिकारी मोना शुक्ला पांडे द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिरोंज को पीठासीन अधिकारी बनाया गया है खंडपीठ तृतीय के पीठासीन अधिकारी सुश्री अंकित जैन व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड एवं न्यायिक मस्टर्ड प्रथम श्रेणी सिरोंज को विदेशी अधिकारी बनाया गया है इस नेशनल लोक अदालत में प्रथम खंडपीठ में अधिवक्ता संघ सिरोंज से खंडपीठ में खुला करता अधिवक्ता के रूप में सुरेंद्र दांगी अधिवक्ता द्वितीय खंडपीठ में अधिवक्ता मनोहर रघुवंशी तृतीय खंडपीठ में सतीश शर्मा अधिवक्ता का नाम प्रस्तावित किया गया है इस नेशनल लोक अदालत में सर्वोच्च न्यायालय में लंबित सिविल एवं आपराधिक एवं समस्त प्रकार के राजीनामा योग प्रकरणों में राजीनामा कराया जाएगा 14 मार्च 2026 को होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारी न्यायालय परिवार जोर शोर से कर रहा है नेशनल लोक अदालत की तैयारी को लेकर न्यायाधीश विजय कुमार पांडे एवं न्यायाधीशश्रीमती मोना शुक्ला न्यायाधीश अंकित जैन ने आज अभिभाषक संघ के वरिष्ठ अधिवक्ताओं से चर्चा की चर्चा के दौरान अधिक से अधिक राजीनामा योग प्रकरणों में राजीनामा करने का सुझाव दिया।

घूस लेने के मामले में रतलाम की विशेष कोर्ट ने फैसला सुनाया

18,500 की रिश्वत लेते पकड़ाए थे CMO और बाबू, चार साल की सजा

रतलाम। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के रतलाम जिले की जावरा तहसील के नगरपालिका में मार्च 2021 के दौरान सीएमओ रहते हुए ठेकेदार को फाइनल भुगतान के बदले रिश्वत लेने के मामले में रतलाम की विशेष कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया। इसमें तत्कालीन सीएमओ रही नीता जैन और लिपिक विजय सिंह शक्तावत दोनों को चार-चार साल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने इन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धारा के तहत दोषी करार देते हुए यह फैसला दिया है।

मामले की शिकायत पेटी कांट्रेक्टर पवन भावसार ने की थी। इसी के बाद लोकायुक्त उज्जैन की टीम ने 12 मार्च 2021 को नगरपालिका कार्यालय पहुंचकर बाबू शक्तावत की जैब से 18 हजार 500 रुपए की रिश्वत का लिफाफा जब्त किया था तथा ये राशि सीएमओ नीता जैन को दी जाना थी। इसलिए उन्हें भी आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान लोकायुक्त इंस्पेक्टर बसंत श्रीवास्तव ने कहा था कि सीएमओ नीता जैन द्वारा रुपए मांगने संबंधी बातचीत की रिकार्डिंग भी उपलब्ध है। इसी आधार पर दोनों के खिलाफ केस चला और अब कोर्ट ने फैसला सुनाया है। शिकायतकर्ता सिविल ठेकेदार पवन भावसार ने नगरपालिका में कई निर्माण कार्य किए कब्रिस्तान, मालीपुरा नाली, गुलशन टॉकीज की सीसी रोड और रतलामी गेट की नाली। काम के बदले 1,23,000 की सिक्योरिटी एफडी जमा थी, जिसमें करीब 60,000 का भुगतान बकाया था। एफडीआर रिलीज कराने पहुंचे ठेकेदार से कथित रूप से 3 प्रतिशत कमीशन मांगा गया। बातचीत बाबू विजय सिंह के माध्यम से हुई और करीब 20,000 में डील तय हुई। भावसार ने रिकॉर्डिंग के साथ उज्जैन लोकायुक्त में शिकायत कर दी।

ट्रैप के बाद भी पद पर थीं नीता जैन

इस मामले में सबसे गंभीर बात तो यह थी कि लोकायुक्त ट्रेप होने के बाद दो माह बाद स्थानांतरण आदेश आ गया, लेकिन उसके बाद भी आदेश दबा रहा। जिसके चलते नीता जैन ट्रेप होने के बाद भी करीब 5 माह तक जावरा नपा में ही सीएमओ के पद पर जमी रही और फाईलों पर बदस्तुर हस्ताक्षर करती रही। लोकायुक्त के बुलावे पर भी कई बार पेशी नहीं हुई, जब लोकायुक्त ने जेल भेजने की तैयारी की तो वे वाईस सेम्पल देने उज्जैन पहुंची थी। दबा हुआ स्थानांतरण आदेश ओपन होने के बाद मामले ने तुल पकड़ा तो अंततः 17 जुलाई 2021 को तत्कालीन कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने नीता जैन को रिलीव किया, तब जाकर जावरा नगरपालिका से उनका कार्यभार हटाया गया।

लूडो खेलते-खेलते युवती ने खाया जहर, 7 दिन में होनी थी शादी, छाया मातम

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

छतरपुर के सीमावर्ती उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के थुरट गांव में एक ऐसा वाकया सामने आया है जिसने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं। जिस घर में महज सात दिन बाद बारात आनी थी और मंगल गीत गाए जा रहे थे, वहां अब मातम पसरा है। 20 वर्षीय युवती रजनी ने शादी की तैयारियों के बीच अचानक जहर खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जिला अस्पताल छतरपुर में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

नंदराम अनुरागी की बेटी रजनी की शादी छतरपुर जिले के टेड़ीपुरवा निवासी वीरेंद्र अनुरागी से तय हुई थी। 25 फरवरी को बारात आनी सुनिश्चित थी। घर में शादी का उल्लास था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। जिस बेटी के हाथों में मेहंदी सजनी थी, उसकी मौत की खबर से परिवार और गांव स्तब्ध है।

पिता नंदराम ने रुंधे गले से बताया कि सब कुछ सामान्य था। पूरे परिवार ने साथ बैठकर हंसी-खुशी खाना खाया। रात करीब 11 बजे रजनी अपनी बहन के साथ मोबाइल पर लूडो खेल रही थी। खेल के दौरान ही वह उठी और अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। जब उसे उल्टियां होने लगीं, तब परिजनों को अहसास हुआ कि कुछ अनहोनी हुई है। परिजन रजनी को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां डॉक्टरों ने उसे बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन उसकी सांसें थम गईं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर रजनी ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। घर में कोई विवाद या परेशानी की बात भी सामने नहीं आई है। अजनर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शव का पोस्टमार्टम कराकर जांच शुरू कर दी है।

मप्र बजट में सोहागपुर को सड़क निर्माण की मिली बड़ी सौगात

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

विधानसभा में 18 फरवरी को पेश बजट 2025-26 में सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह राजपूत के अथक और सतत प्रयासों का यह सकारात्मक परिणाम है, जिससे लोक निर्माण विभाग के तहत क्षेत्र की ग्रामीण सड़कों का निर्माण अब तेजी से संभव हो सकेगा।

बजट में निम्नलिखित कार्यों को धनराशि आवंटित की गई है। ग्राम सांगाखेड़ाकलां में कृष्णा कुमार तिवारी के यहां से तीन इमली वाला रास्ता, चपलासर हाईस्कूल से दडा होते हुए बड़ी बालामेंट तक कमल कीर (5 किमी) 7 करोड़ रुपये।वागरा से नया घोड़ानाल, परसार पानी, मेहंद्रयाली, चुरना, काकड़ी, बोरी, नयासाकई, नयाकाजरी, पथरई मार्ग (0.35 किमी) 1.50 करोड़ रुपये।शिवपुर-तालकेसरी मार्ग (4 किमी) 2.60 करोड़ रुपये।अजनेरी से झिरमटा मार्ग (2.60 किमी) 3.12 करोड़ रुपये। नदी टोला से (पुल सहित) ईशरपुर होते हुए पलकेश्वर धाम तक (3.25 किमी) 5 करोड़ रुपये। इन सड़कों के निर्माण से सोहागपुर के ग्रामीण इलाकों में आवागमन आसान होगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और व्यापार को गति मिलेगी। ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।क्षेत्र के निवासियों ने विधायक विजयपाल सिंह राजपूत को धन्यवाद देते हुए इसे सोहागपुर के समग्र विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

रेत-गिट्टी का अवैध परिवहन करते 7 वाहन जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और मंडारण के खिलाफ सख्ती बरती। 18-19 फरवरी को 7 वाहनों को रेत व मिट्टी के अवैध परिवहन के आरोप में जब्त किया गया।18 फरवरी को शिवपुर से 3 ट्रेक्टर-ट्रॉली और सिवनीमालवा से 1 ट्रेक्टर-ट्रॉली रेत लादे पकड़ी गईं, जिन्हें थाना शिवपुर व सिवनीमालवा में खड़ा किया गया। 19 फरवरी को ग्राम नानपा से 1 ट्रेक्टर-ट्रॉली (थाना डोलरिया), तहसील पिपरिया से डम्पर रूा40ङ्क8340 (मिट्टी लदा, थाना स्टेशन रोड पिपरिया) और तहसील बनखेड़ी से 1 ट्रेक्टर-ट्रॉली (थाना बनखेड़ी) जब्त की गईं।कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जय सोलकी, जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम, तहसीलदार सुनील गढ़वाल (डोलरिया), अंजू राजपूत (बनखेड़ी), खनिज निरीक्षक पिंकी चौहान व कीर्ति प्रधान (नायब तहसीलदार सिवनीमालवा), थाना प्रभारी आदित्य सेन, गिरीश त्रिपाठी (मंगलवारा पिपरिया), खुमान सिंह पटेल (डोलरिया) समेत पुलिस-होमगार्ड बल शामिल रहा।

राम राजा मंदिर में हाईटेक होगी बिलिंग और भुगतान की सुविधा

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

विश्व प्रसिद्ध श्रीराम राजा सरकार की नगरी जहां नए स्वरूप में सामने आ रही है तो यहां की व्यवस्थाएं भी हाईटेक होती जा रही हैं। प्रशासन द्वारा अब यहां पर दी जाने वाली सेवाओं के बदले किए जाने वाले भुगतान एवं मंदिर के आय-व्यय को पारदर्शी रखने के लिए आईटीएमएस 2.0 के तहत भुगतान की सुविधा भी शुरू की जा रही है। इसके लिए प्रबंधन यहां पर 8 मोजंबी मशीन लगाने जा रहा है। इसके बाद यहां पर बड़े मॉल में होने वाली बिलिंग के जैसी ही सुविधा श्रद्धालुओं को मिलने लगेगी।

राम राजा मंदिर ओरछा की व्यवस्थाओं को अब विश्व स्तरीय किया जा रहा है। इसके तहत प्रशासन ने एनआईसी की मदद से यहां पर मिलने वाली सुविधाओं को सुरक्षित, सुविधाजनक करने के लिए काम शुरू कर दिया है। यह काम देखने वाले एनआईसी के डीआईओ अविनाश पाठक ने बताया कि यहां पर पूरा काम अब एसबीआई के गेट वे से होगा और एसबीआई द्वारा मंदिर में किए जाने वाले भुगतान को श्रद्धालुओं को सुविधाजनक बनाने के लिए 8 मोजंबी मशीन प्रदान कर रहा है। इस मशीन की सुविधा से श्रद्धालुओं द्वारा जो भी सेवा ली जाएगी, उसके भुगतान के लिए मशीन की स्क्रीन पर 120 सेकेंड के लिए डायनेमिक क्यूआर कोर्ड जनरेट होगा। लोग उसे अपने मोबाइल में किसी भी यूपीआई के माध्यम से स्केन कर भुगतान कर सकेंगे। भुगतान होते ही ऑटोमेटिक पेमेंट स्लिप जनरेट होगी।

क्यूआर रीडर से होगी रीड

उन्होंने बताया कि श्रद्धालु काउंटर से जाकर सेवाओं का भुगतान करेंगे इसके बाद जहां से सेवाएं मिलनी है, वहां पर स्लिप दिखाकर सेवा का लाभ लेंगे। इसके लिए हर काउंटर पर क्यूआर रीडर मशीन भी उपलब्ध होगी। ऐसे में कर्मचारी इस स्लिप पर बने क्यूआर कोड को पढ़ सकेंगे कि इस सेवा का लाभ पहले से ही तो नहीं ले लिया गया है। ऐसे में किसी भी प्रकार की अनियमितता भी नहीं होगी। साथ ही लोगों को भी किसी भी यूपीआई के माध्यम से भुगतान की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि अब तक मंदिर में क्यूआर कोर्ड एवं यूपीआई से भुगतान की सुविधा न होने से कई श्रद्धालु सेवाओं का लाभ भी नहीं ले पाते थे।

देख सकेंगे लेखा-जोखा

उन्होंने बताया कि इसमें मंदिर के एप में भी सेवा दी गई है। इस एप की सुविधा से कोई भी श्रद्धालु मंदिर में होने वाली सेवा का पूरा ब्यौरा, प्रतिदिन की आय-व्यय को देख सकता है। एक प्रकार से मंदिर की पूरी व्यवस्था पारदर्शी होगी। संभवता यह पहला मंदिर होगा, जहां के हर आय-व्यय की जानकारी हर श्रद्धालु को होगी।

स्कूली छात्रा से ऑटो चालक ने किया दुष्कर्म, धमकी देकर छोड़ा; 8 दिन बाद गिरफ्तार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शहर से सटे गांव की 15 वर्षीय स्कूली छात्रा के साथ 50 वर्षीय ऑटो चालक ने घिनौना अपराध किया। कोतवाली पुलिस के अनुसार, आरोपी ने छात्रा को घुमाने के बहाने हिंगलाज माता मंदिर के पास ले जाकर दुष्कर्म किया। घटना के आठ दिन बाद परिजनों की शिकायत पर गुरुवार को आरोपी मुकेश कीर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर ने बताया कि पीड़िता रोजाना आरोपी के ऑटो से स्कूल आती-जाती थी। वारदात के बाद आरोपी ने छात्रा को जान से मारने की धमकी दी और स्कूल छोड़ दिया। डर के मारे पीड़िता चुप रही तथा स्कूल जाना बंद कर दिया।परिजनों ने स्कूल बंद करने का कारण पूछा तो छात्रा रोते हुए सारी घटना बता बैठी। परिजन तत्काल कोतवाली पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार तथा पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया।

मेट्रो एंकर 15 हजार किमी उड़कर लौटा यूरेशियन मेहमान, आज से जिले में शुरू होगी गिद्धों की गणना

हलाली डैम के गिद्ध ने पार किए पांच देश, अब धौलपुर पहुंचा

विदिशा। दोपहर मेट्रो

परिंदों की उड़ान के आगे सरहदें और दूरियां बौनी साबित होती हैं। पिछले साल 29 मार्च को विदिशा के हलाली डैम से जिस यूरेशियन ग्रिफिन गिद्ध ने पंख फड़फड़ाए थे, वह अब कजाकिस्तान का 15 हजार किमी लंबा सफर तय कर वापस अपने ठिकाने पर लौट रहा है। वन्यजीव प्रेमियों और वन विभाग के लिए यह किसी रोमांचक कहानी से कम नहीं है कि जियो टैगिंग के जरिए ट्रैक किया जा रहा यह पक्षी ठीक उसी रास्ते से वतन लौट रहा है, जिस रास्ते से वह गया था। यह गिद्ध सतना में घायल अवस्था में मिला था। भोपाल में इलाज के बाद इसे स्वस्थ कर हलाली डैम से जियो टैग लगाकर छोड़ा गया था। डीएफओ हेमंत यादव के अनुसार, यह परिंदा राजगढ़, गुना और जैसलमेर के रास्ते पाकिस्तान, अफगानिस्तान और तजाकिस्तान को पार करते हुए कजाकिस्तान पहुंचा था। वहां करीब एक महीने रुकने के बाद 16 सितंबर को इसने वापसी की उड़ान भरी। वर्तमान में इसकी लोकेशन राजस्थान के धौलपुर में ट्रैक की गई है। उम्मीद है कि जल्द ही यह हलाली के आसमान में दिखाई देगा।

अप्रेल की गणना में इनकी संख्या 322 थी

एक ओर जहां प्रवासी मेहमान की वापसी का उत्साह है, वहीं दूसरी ओर जिले में 20 फरवरी से तीन दिवसीय गिद्ध गणना का आगाज होने जा रहा है। वन विभाग इस दौरान चट्टानों और पेड़ों पर बने घोंसलों की बारीकी से पड़ताल करेगा। फरवरी 2025 की गणना में जिले में 597 गिद्ध (493 वयस्क और 104 अवयस्क) दर्ज किए गए थे, वहीं अप्रैल की गणना में यह संख्या 322 रही थी।

चार प्रजातियों का बसेरा बना विदिशा

जिले का ग्राम सोंठिया और डंपिंग ग्राउंड इन पक्षियों का पसंदीदा स्थल बन चुका है। यहां सफेद पीठ वाला गिद्ध, भारतीय देसी गिद्ध, राज गिद्ध और इजिप्शियन गिद्ध जैसी दुर्लभ प्रजातियां बड़ी संख्या में मौजूद हैं। पिछली गणना में चट्टानों पर 8 और पेड़ों पर 28 घोंसले मिले थे। विभाग को उम्मीद है कि संरक्षण के प्रयासों से इस बार गिद्धों के कुनबे में और इजाफा होगा।

टाइगर रिजर्व में मृत बाघ के रेडियो कॉलर से मिले अलर्ट की दो दिन तक अनदेखी क्यों?

विस्तृत जांच कर तीन दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में सैटेलाइट कॉलर वाले बाघ की संदिग्ध मौत और वन विभाग की घोर लापरवाही के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी.एन. अम्बाडे ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के आदेश जारी किए हैं। विभाग ने वनमण्डलाधिकारी को निर्देशित किया है कि इस मामले में विस्तृत जांच कर तीन दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

पीसीसीएफ द्वारा जारी आदेश में वन्यजीव एक्टिविस्ट अजय दुबे द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत का स्पष्ट उल्लेख है, जिसमें कान्हा से नौरादेही (वीरांगना दुर्गावती टाईगर रिजर्व) शिफ्ट किए गए बाघ की मौत और विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। उल्लेखनीय है कि बाघ का शव 15 फरवरी 2026 को मोहली परिक्षेत्र में मिला था, जबकि उसका रेडियो कॉलर पिछले 48 घंटों से 'मॉर्टलिटी अलर्ट' भेज रहा था। वाइल्ड एक्टिविस्ट दुबे ने पूछा है कि एक रेडियो कॉलर वाले बाघ के मामले में दो दिन तक अलर्ट की अनदेखी क्यों की गई। रेडियो कॉलर से हर आठ घंटे में मिलने वाले स्टैटिक अलर्ट यह संकेत देते हैं कि बाघ की गतिविधियां रुक गई है। वाइल्ड एक्टिविस्ट दुबे ने शिकायत में यह भी कहा कि निगरानी टीम को संघर्ष की भनक क्यों नहीं लगी। बाघों की क्षेत्रीय लड़ाई की आवाज या हलचल निगरानी टीमों द्वारा अनसुनी कैसे रह गई। इस फाइट में शामिल दूसरा बाघ कहा है क्या अन्य बाघ भी खतरे में है। यह पहली बार नहीं है। जब पीसीसीएफ ने निगरानी तंत्र पर सवाल उठाए हों। इससे पूर्व 20 अगस्त 2025 को जारी एक पत्र में भी पीसीसीएफ अम्बाडे ने पेंच और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का उदाहरण देते हुए कहा था कि बाघों के आपसी संघर्ष की दहाड़ दूर तक सुनाई देती है, इसके बावजूद अमले को घटना की जानकारी न होना सुरक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ न होने का प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि बाघों की सुरक्षा वन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बताया गया है कि इस बाघ के गले में करीब 10 लाख रुपए कीमत का रेडियो कॉलर लगा था। जिससे पल पल की जानकारी हासिल की जा सकती थी। इसके बावजूद जिम्मेदार उसकी सतत निगरानी नहीं रख पाए। कुछ दिन पहले तक अधिकारी बाहरी बाघों के सफल अनुकूलन और उनकी संख्या बढ़ने के दावे कर वाहवाही लूट रहे थे, अब वही दावे कठघरे में हैं।

बाघ की मौत के असल कारणों से पर्दा उठना बाकी

ताजा घटना में बाघ की मौत की असली वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। क्योंकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आना बाकी है। हालांकि प्राथमिक रिपोर्ट के आधार पर अधिकारी इसे दो बाघों के बीच वर्चस्व को लेकर हुए आपसी संघर्ष का परिणाम मान रहे हैं। हालांकि अंतिम स्थिति पीएम रिपोर्ट के बाद ही साफ होगी। इससे पहले करीब ढाई साल पूर्व 16 जून 2023 को किशन नाम के बाघ की भी मौत हो चुकी है जिसने नौरादेही अभ्यारण्य को टाइगर रिजर्व का तमगा दिलाया है किशन बाघ विहीन हो चुके नौरादेही अभ्यारण्य क्षेत्र में पुनर्स्थापना के तहत लाए गए जोड़े का हिस्सा था इन मौतों और एक बाघ के लापता होने से बाघ पुनर्स्थापना योजना की सफलता पर सवाल खड़े हो रहे हैं यही कारण है कि टाइगर रिजर्व के सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की मांग रही है।

न्यूज विंडो

बाग-डेहरी रोड पर दो बाइकों में भिड़ंत, पुलिसकर्मी की मौत

धार। जिले की कुक्षी तहसील के बाग-डेहरी रोड पर गुरुवार अल सुबह दो बाइकों की भिडत हो गई, हादसे में बाइक सवार पुलिसकर्मी नवलसिंह मंडलोई की मौत हो गई है। साथ ही एक अन्य बाइक चालक गंभीर रुप से धायल हो गया हैं, सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है। जानकारी के अनुसार अलीराजपुर जिले की कोतवाली थाने पर नवलसिंह पदस्थ हैं, बाइक क्रमांक एमपी-11 एनओ- 8902 सामने से आ रही पुलिसकर्मी की बाइक से टकरा गई थी। हादसे के दौरान दोनों बाइकों का अगला हिस्साक पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त्रप हुआ है। हादसे में पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि वे अपनी बाइक से अपने पैतृक गांव डोई जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। नवल सिंह का परिवार अलीराजपुर में ही रहता था। हादसे में दूसरी बाइक चला रहा हिमांशु निवासी टांडा के दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए हैं। हालत नाजुक होने के कारण उसे प्राथमिक इलाज के बाद बड़वानी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे की खबर मिलते ही बाग थाना प्रभारी कैलाश चौहान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से पुलिस विभाग और मृतक के गांव में शोक की लहर है।

सावधान... हादसा हुआ तो इलाज के लिए कहां भागेंगे पीड़ित

मौत के मुहाने पर अस्पताल, गैस प्लांट की दीवार से सटा है भवन

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप में पिछले दिनों गेल गैस प्लांट में हुए गैस रिसाव ने प्रशासन के हाथ-पांव फुला दिए थे। गनीमत रही कि समय रहते रिसाव पर काबू पा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। लेकिन इस घटना ने एक ऐसा सवाल खड़ा कर दिया है, जो यहां के नागरिकों और मरीजों की जान से जुड़ा है। सवाल ये है कि अगर हादसा बड़ा होता, तो इलाज के लिए कहां भागते। क्यों की हॉस्पिटल और गैस प्लांट की दीवार से दीवार मिली है। हैरानी की बात यह है कि जिस गेल गैस प्लांट में ज्वलनशील और खतरनाक गैसों का भंडारण और वितरण होता है, उसकी दीवार से बिल्कुल सटा हुआ शहर का सरकारी अस्पताल स्थित है। सुरक्षा नियमों की मानें तो ऐसे संवेदनशील प्लांट और सार्वजनिक सुविधाओं के बीच एक निश्चित बफर जोन होना अनिवार्य है, लेकिन यहाँ अस्पताल और मौत का खतरा एक ही दीवार साझा कर रहे हैं।

पिछले दिनों हुए रिसाव के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश और डर है। नागरिकों का कहना है जिस अस्पताल में लोग जीवन बचाने जाते हैं, वही गैस प्लांट के सबसे ज्यादा डेंजर ज़ोन में है। यदि कोई बड़ी अग्नि दुर्घटना या गैस रिसाव होता है, तो सबसे पहले अस्पताल को खाली कराना पड़ेगा। ऐसे में पहले से भर्ती मरीजों और नवजातों को बचाना लगभग असंभव हो जाएगा। हालिया घटना को प्रशासन ने सूझबूझ बताकर टाल दिया, लेकिन सवाल यह है कि इस रिहायशी और संवेदनशील इलाके में अस्पताल को इतनी करीब अनुमति कैसे मिली। या प्लांट के विस्तार के समय सुरक्षा ऑडिट में इस पहलू को क्यों नजर अंदाज किया गया।

पूर्व में भी घटना हुई थी जिसको लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को बताया गया, जो भी अधिकारी निर्णय लेंगे वह मान्य होगा।
-सुलभ तिवारी शासकीय अस्पताल प्रबंधक

गैस प्लांट में सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। पहले भी जो घटना हुई थी उसके बाद सुधार करवा दिया है। वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत कराया गया है।
-चंद्रशेखर श्रीवास्तव एसडीएम गौहरगंज

डेहरी पुलिस ने चोर को किया गिरफ्तार, दो बाइक बरामद

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की डेहरी चौकी पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से डेहरी और कुक्षी से चुराई गई दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। आरोपी को कुक्षी कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड मांगी गई है। पुलिस के अनुसार 22 जनवरी को डेहरी स्थित एचपी पेट्रोल पंप से गोपाल मंडलोई की बाइक शाम 7 बजे चोरी हो गई थी। फरियादी की शिकायत पर डेहरी चौकी में मामला दर्ज कर चोर की तलाश की जा रही थी। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने जितेंद्र पिता रामसिंह मोरी (23 वर्ष), निवासी भवानीपुरा, ग्राम आसपुर को गिरफ्तार किया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने डेहरी पेट्रोल पंप से बाइक चोरी करना कबूल किया। पुलिस ने उसके पास से चोरी की गई बाइक जब्त कर ली। पुलिस पूछताछ में जितेंद्र ने कुक्षी से भी एक बाइक चुराने की बात स्वीकार की। पुलिस ने उसके पास से एक और बाइक (क्रमांक स्क्का 1स्ब्ध 0627) बरामद की है। आरोपी जितेंद्र पर कुक्षी थाने में भी चोरी के मामले दर्ज हैं। उसे आज कुक्षी कोर्ट में पेश किया गया और पुलिस रिमांड की मांग की गई है।

सीने में दर्द के बावजूद नहीं छोड़ी ड्यूटी आवेदन पत्र लिखते-लिखते टूटी सांसें

सतना। दोपहर मेट्रो

मैहर जिले के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल आमातारा में बोर्ड परीक्षा की ड्यूटी के दौरान भृत्य रामभुवन पाठक (58) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना सुबह 8 बजे हुई। लटागांव निवासी रामभुवन पाठक गांव से 8 किमी दूर आमातारा स्कूल में कई वर्षों से भृत्य पदस्थ थे। बोर्ड परीक्षा के चलते रामभुवन की बुधवार रात केंद्र की देखभाल के लिए ड्यूटी लगाई गई थी। 19 फरवरी की सुबह 10वीं बोर्ड की संस्कृत की परीक्षा थी। रामभुवन सुबह 8 बजे स्कूल में परीक्षा ड्यूटी के लिए तैयार हो रहे थे, तभी अचानक उनके सीने में तेज दर्द उठा। उन्होंने परिजनों और रिश्तेदारों को इसकी सूचना दी। पास में रहने वाले उनके बहनोई सबसे पहले मौके पर पहुंचे और बेटे को खबर दी। उन्हें तत्काल गांव के ही चिकित्सक के पास ले जाया गया, जहां जांच के दौरान ब्लड प्रेशर काफी लो पाया गया। लेकिन बोर्ड परीक्षा ड्यूटी के कारण वे केंद्र नहीं छोड़ सके और 8.30 से 8.50 बजे तक केंद्राध्यक्ष देवेंद्र कुमार वर्मा और सहायक केंद्राध्यक्ष अमित कुमार भट्ट के आने का इंतजार करते रहे। अधिकारियों के पहुंचने के बाद उनसे माध्यमिक शिक्षा मंडल के नाम अवकाश का पत्र लिखवाया गया। इसके बाद ड्यूटी से मुक्त हुए। इस दौरान भृत्य की तबीयत और बिगड़ गई।

कौन बनेगा करोड़पति में लॉटरी जीतने के नाम लाखों की धोखाधड़ी

धार। पीथमपुर के औद्योगिक नगर में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अज्ञात जालसाजों ने कौन बनेगा करोड़पति में लॉटरी जीतने का लालच देकर उनसे 7 लाख 52 हजार 130 रुपये ठग लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। त्रिमूर्ति कॉलोनी, घाटबिल्लौद निवासी शिवाजी पंवार (65) को पिछले वर्ष एक फोन आया था। फोन करने वाले ने उन्हें बताया कि उन्होंने कौन बनेगा करोड़पति में बड़ी रकम जीती है। इसके बाद उनसे टैक्स और अन्य शुल्कों के नाम पर पैसे जमा करने को कहा गया। बुजुर्ग ने जालसाजों द्वारा बताए गए खाता नंबरों में 2 लाख 30 हजार 820 रुपये ट्रांसफर किए। इसके अतिरिक्त, उन्हें दिए गए बारकोड पर भी उन्होंने 5 लाख 21 हजार 310 रुपये भेजे। इस प्रकार कुल 7 लाख 52 हजार 130 रुपये की धोखाधड़ी हुई। पीथमपुर थाना प्रभारी सुनील शर्मा ने बताया कि पीड़ित ने पहले साइबर सेल भोपाल में शिकायत दर्ज कराई थी।

सियारी में 37.50 लाख की लागत से बने नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण

धार। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत तिरला अंतर्गत ग्राम पंचायत सियारी में लगभग 37.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन एवं अत्याधुनिक पंचायत भवन का लोकार्पण जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेडा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा नेता विश्वास पांडे एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष मोहन पटेल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सियारी के सरपंच कमल भाभर ने की।

उद्घाटन अवसर पर ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों एवं पुष्पमालाओं से अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। मुख्य अतिथि श्री मेडा ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र में हो रहा विकास भारतीय जनता पार्टी सरकार की देन है। प्रदेश एवं केंद्र सरकार द्वारा सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए व्यापक कार्य किए गए हैं। आज गांवों में सड़कों का जाल बिछ चुका है, डेम निर्माण से जलसंकट दूर हुआ है तथा 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में भी निरंतर सुधार हुआ है।

भाजपा नेता विश्वास पांडे ने जी राम जी योजना के माध्यम से क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ने की बात कही तथा समय पर मजदूरी भुगतान से आदिवासी क्षेत्रों में पलायन रुकने का विश्वास व्यक्त किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष मोहन पटेल ने क्षेत्र में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए शेष सड़कों एवं डैम निर्माण कार्यों को शीघ्र स्वीकृति दिलाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जनपद पंचायत तिरला के अध्यक्ष सीताराम सिंगार, पूर्व जनपद अध्यक्ष गणेश जमुनिया, मंडल अध्यक्ष राजू बघेल, महामंत्री प्रेम सिंह चौहान, सब इंजीनियर आनंद बोरिसी, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा युवा नेता रेव सिंह भाभर द्वारा किया गया तथा अंत में ग्राम पंचायत सचिव ने आभार व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर | सर संघचालक माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर की जयंती

गुरुजी का स्वभाव सरल और सहज था, वे बच्चों से आत्मीयता से मिलते थे: खेमरिया

सागर। दोपहर मेट्रो

सरस्वती शिशु मंदिर विद्या भारती रमझिरिया में आज गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सर संघचालक माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर 'गुरू जी' की जयंती मनाई गई. कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदीप शुक्ला की एवं विशिष्ट अतिथि अरविंद जैन थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मधुसूदन खेमरिया ने बताया कि गुरुजी का जन्म 19 फरवरी 1906 को रामटेक में हुआ था। वे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में विज्ञान के प्रोफेसर थे। संघ के विस्तार के लिए उन्होंने नागपुर से स्वयं सेवकों को बनारस भेजा। उनका स्वभाव बहुत ही सरल और सहज था, वे बच्चों से भी बहुत आत्मीयता से मिलते थे। 1940 में संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार की मृत्यु के बाद, वे द्वितीय सर संघचालक बने। मधुसूदन खेमरिया ने बताया कि गुरु जी अनुशासन के बहुत पक्के थे। एक बार एक मुख्य शिक्षक के कहने पर वे भी गणवेश (यूनिफॉर्म) पहनकर शाखा में उपस्थित हुए। उन्होंने 33 वर्षों (1940-1973) पूरे भारत की 66 बार परिक्रमा की। इस परिक्रमा में उन्होंने भारत की आत्मा को पहचाना। उनका मानना था कि उनकी गाड़ी ही उनका घर है क्योंकि वे लगातार यात्राओं पर रहते थे। खेमरिया ने कहा कि गुरु जी सामाजिक समरसता में विश्वास रखते थे। समाज में सभी को एक सूत्र में बंध कर रहने के पक्षधर थे। गुरुजी दलित और गरीब बस्तियों में भी बिना किसी झिझक के जाते थे। मधुसूदन खेमरिया ने बताया कि कोलकाता में एक गरीब स्वयं सेवक के घर चाय पीने जाने का किस्सा उनकी सादगी और समानता के भाव को दर्शाता है। कार्यक्रम में एकता खेमरिया, विद्यालय प्राचार्य सुरेंद्र जैन, प्रधानाचार्य हरिराम प्रजापति, अनिल पांडे, प्रदीप शुक्ला, अभिषेक शाह, आलोक जैन, अनिल जैन आदि मौजूद रहे।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित)
56-57, इन्स्टीट्युशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
आयुर्वेद गुरुकुलम् की संबद्धता हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रण

आयुर्वेद गुरुकुलम् के अंतर्गत दो वर्षीय प्री-आयुर्वेद कार्यक्रम के साथ बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (BAMS) हेतु कुल साढ़े सात वर्ष की अवधि के शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयुर्वेद गुरुकुलों को सम्बद्धता प्रदान की जा रही है। तदनुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत सरकार के भारतीय चिकित्सा पद्धत राष्ट्रीय आयोग (NCISM) द्वारा राजपत्र में अधिसूचित विनियमों के अंतर्गत आयुर्वेद गुरुकुलों की सम्बद्धता हेतु योग्य संस्थानों से आवेदन आमंत्रित करता है। आयुर्वेद गुरुकुलों का उद्देश्य सक्षम अधिकारी द्वारा निर्धारित प्री-आयुर्वेद कार्यक्रम एवं BAMS पाठ्यक्रम के अनुरूप आयुर्वेद में पारम्परिक गुरुकुल-आधारित शिक्षा प्रदान करना है।

आयुर्वेद गुरुकुलों में प्रवेश कक्षा 10वीं अथवा समकक्ष उत्तीर्ण छात्रों अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।

इच्छुक संस्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से आयुर्वेद गुरुकुलों की सम्बद्धता हेतु आवेदन कर सकते हैं https://www.sanskrit.nic.in/ayurveda_gurukulam.php विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता मानदंड एवं आवेदन प्रक्रिया हेतु कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें: www.sanskrit.nic.in

दिनांक : 09.02.2026
cbc 21212/12/0005/2526

हस्ता/-
कुलसचिव

टी20 विश्वकप 2028: अब तक 12 टीमों ने किया क्वालिफाई

ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाले आस्ट्रेलिया - न्यूजीलैंड को मिली मेजबानी

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 अब अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। ग्रुप स्टेज मुकाबले खत्म होने के कगार पर हैं और जल्द ही सुपर-8 राउंड की शुरुआत होगी। इसी बीच अगले टूर्नामेंट यानी टी20 विश्व कप 2028 को लेकर तस्वीर भी लगभग साफ हो चुकी है। अब तक 12 टीमों ने 2028 संस्करण के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

टी20 विश्व कप 2028 का आयोजन ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सह-मेजबानी में होगा। मेजबान होने के नाते दोनों टीमों को स्वतः (ऑटोमैटिक) क्वालिफिकेशन मिला है। यानी भले ही ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन 2026 टूर्नामेंट में उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा हो, लेकिन मेजबान होने के कारण उसकी 2028 विश्व कप में जगह पक्की है।

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेले जा रहे टी20 विश्व कप 2026 में ऑस्ट्रेलिया का सफर ग्रुप स्टेज में ही समाप्त हो गया। 2021 की विश्व विजेता टीम ग्रुप बी में चौथे स्थान पर रही। उसे जिम्बाब्वे और श्रीलंका के खिलाफ लगातार हार का सामना करना पड़ा, जिसके चलते वह सुपर-8 में जगह नहीं बना सकी। हालांकि, 2028 विश्व कप की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया के पास है। इसी कारण वह पहले से क्वालिफाई करने वाली 12 टीमों की सूची में शामिल हो गई है। न्यूजीलैंड भी सह-मेजबान होने के कारण स्वतः क्वालिफाई कर चुका है। इसके अलावा, 2026 विश्व कप में सुपर-8 के लिए क्वालिफाई करने वाली सभी टीमों को भी 2028 टूर्नामेंट में सीधी एंट्री मिल गई है।

रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई करने वाली टीमें

क्वालिफिकेशन नियमों के अनुसार, मेजबान और सुपर-8 टीमों के अलावा आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग (9 मार्च-फाइनल के अगले दिन) के आधार पर तीन शीर्ष रैंक वाली टीमों को भी सीधा स्थान दिया गया है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और आयरलैंड की टीमें शामिल हैं। इन तीनों टीमों के पास कट-ऑफ तारीख से पहले कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला निर्धारित नहीं है, इसलिए उनकी रैंकिंग में बदलाव की संभावना नहीं है और उनका 2028 विश्व कप में खेलना लगभग तय है।

बाकी 8 टीमों का फैसला कैसे होगा?- टी20 विश्व कप 2028 में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी। 12 टीमों की जगह पहले ही पक्की हो चुकी है, जबकि शेष 8 टीमों का चयन क्षेत्रीय क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के जरिए होगा। इन स्थानों का बंटवारा अलग-अलग क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मक ताकत के आधार पर किया जाएगा।

इस तरह, 2028 टी20 विश्व कप के लिए 12 टीमों ने अपनी जगह लगभग सुनिश्चित कर ली है।

अब सभी की नजर 2026 के सुपर-8 मुकाबलों और आगे की रोमांचक जंग पर टिकी है।

टी20 विश्वकप में अभी बाकी है असली ट्विस्ट

एक बार फिर आमने-सामने हो सकते हैं भारत पाक, देखने को मिल सकता है बड़ा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 विश्वकप 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। अब तक इस विश्वकप में कई दिलचस्प मुकाबले देखने को मिले हैं। 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का ग्रुप स्टेज से बाहर होना चौंकाने वाला रहा। वहीं, जिम्बाब्वे ने अपने खेल से सभी को प्रभावित किया। कई एसोसिएट टीमें भले ही सुपर-आठ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं हों, लेकिन उनक कई खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद से सुर्खियां बटोरीं। टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले कई विवाद हुए, लेकिन यह विवाद भारत और पाकिस्तान के बीच होने के साथ ही शांत हो गया। टीम इंडिया ने ग्रुप-ए के मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 61 रन से करारी शिकस्त दी और पड़ोसियों और उनके फैंस का मुंह बंद कर दिया। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का एलान किया था और तब वहां के क्रिकेट पंडित और फैंस फर्जी बयानबाजी करते दिखे थे। फिर आईसीसी के चाबुक के डर से टूर्नामेंट शुरू होते-होते पाकिस्तान ने यू-टर्न ले लिया और टीम इंडिया के खिलाफ खेलने को तैयार हो गए।

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच एकतरफा तो रहा, लेकिन दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता देखने लायक होती है। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो दोनों देशों के बीच एक बार फिर महामुकाबला देखने को मिल सकता है। भारतीय टीम ने ग्रुप-ए में अपने सभी मैच जीते और अंक तालिका में शीर्ष पर रही। वहीं, पाकिस्तान की टीम चार में से तीन मैच जीतकर ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रही। उसे सुपर-आठ में पहुंचने के लिए जूझना पड़ा और नामीबिया के खिलाफ आखिरी मैच को जीतकर सुपर-आठ के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब रही। 2009 की टी20 चैंपियन पाकिस्तान टीम में कई खामियां देखने को मिलीं और नीदरलैंड्स अगर उन्हें पहले मुकाबले में हरा देता तो टीम बाहर भी हो सकती थी। पाकिस्तान नीदरलैंड्स के खिलाफ ग्रुप-ए मुकाबला तीन गेंद शेष रहते जीता था।

सुपर आठ में चार-चार टीमों के बने दो ग्रुप

इस टूर्नामेंट में 20 टीमों ने हिस्सा लिया था। सभी टीमों को पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा गया। हर ग्रुप से शीर्ष-दो टीमों ने सुपर आठ राउंड के लिए क्वालिफाई किया। अब सुपर-आठ राउंड में चार-चार टीमों के दो ग्रुप्स बने हैं और टीमें आईसीसी द्वारा पहले से ही तैयार की गई सीडिंग्स के अनुसार तय की गई हैं। सुपर आठ राउंड में भारत को ग्रुप-1 में जबकि पाकिस्तान को ग्रुप-2 में जगह मिली है। टीम इंडिया के ग्रुप में वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। वहीं, पाकिस्तान के ग्रुप में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीमें हैं। सुपर आठ राउंड में प्रत्येक ग्रुप की एक टीम अपने ग्रुप में मौजूद तीन अन्य टीमों के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। ऐसे में भारत और पाकिस्तान की टीमें दो अलग-अलग ग्रुप में होने के कारण एक-दूसरे से तो नहीं भिड़ेंगी। सुपर-आठ में दोनों ग्रुप्स से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। हालांकि, सेमीफाइनल में भारत का पाकिस्तान की भिड़ंत संभव है। अगर भारत और पाकिस्तान अपने-अपने ग्रुप्स में शीर्ष दो स्थान पर रहते हैं तो सेमीफाइनल में टकराव का समीकरण बन सकता है।

सेमीफाइनल का शेड्यूल और वेन्यू

पहला सेमीफाइनल चार मार्च को और दूसरा सेमीफाइनल पांच मार्च को होगा।

अगर भारत-पाकका सेमीफाइनल मुकाबला होता है तो भी मैच कोलंबो के प्रेमदासा में ही होगा।

अगर पाक का सेमीफाइनल किसी और से और भारत का किसी और से होता है, तो पाककोलंबो में और भारत मुंबई के वानखेड़े में खेलेगा।

अगर पाकिस्तान क्वालिफाई नहीं करता है और अंतिम-चार टीमें कोई और होती हैं तो कोलंबो में होने वाला सेमीफाइनल भी भारत शिफ्ट हो जाएगा। तब पहला सेमीफाइनल कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में होगा।

भारत और पाकिस्तान की टीम अगर फाइनल में पहुंचती हैं (यानी अलग अलग टीमों के खिलाफ सेमीफाइनल खेलते हुए) तो फाइनल भी कोलंबो में होगा। अगर पाकिस्तान नहीं पहुंचा तो फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हो सकता है।

सेमीफाइनल में टकराव का गणित-

सेमीफाइनल का फॉर्मेट क्रॉसओवर सिस्टम पर आधारित है-

ग्रुप-1 की टॉप टीम बनाम ग्रुप-2 की दूसरे स्थान वाली टीम।

ग्रुप-2 की टॉप टीम बनाम ग्रुप-1 की दूसरे स्थान वाली टीम।

भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल कैसे होगा?

पहली स्थिति

भारत अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहे। पाकिस्तान अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे। ऐसे में दोनों सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे।

दूसरी स्थिति

पाकिस्तान अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहे। भारत अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे। तब भी सेमीफाइनल में भिड़ंत संभव है। कब सेमीफाइनल नहीं होगा?

शहबाज सरकार की पोल खोलना पड़ा भारी

हॉकी टीम कप्तान पर लगा दो साल का प्रतिबंध, संघ अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

कराची, एजेंसी

पाकिस्तान हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट को शहबाज सरकार की पोल खोलना भारी पड़ा है। उन पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध पाकिस्तान हॉकी संघ (पीएचएफ) के अध्यक्ष तारिक बुगती ने अम्माद पर लगाया। वहीं, इस कार्रवाई के बाद बुगती ने अपने पद से भी इस्तीफा दे दिया। दरअसल, बुधवार को पाकिस्तान हॉकी टीम के कप्तान ने हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद राष्ट्रीय महासंघ की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने कहा, इस दौरे के दौरान उनकी टीम को न केवल होटल में बुकिंग नहीं होने के कारण सड़कों पर भटकना पड़ा, बल्कि मैच खेलने के लिए जाने से पहले बर्तन भी धोने पड़े।

बुगती ने कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा संघ के मुख्य संरक्षक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेज दिया है। उन्होंने कहा, मैंने अपना इस्तीफा पीएम को भेज दिया है, लेकिन मैं उनसे और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से गुजारिश करता हूं कि वे एफआईएच प्रो लीग हॉकी के दौरान ऑस्ट्रेलिया में हुई पूरी स्थिति की निष्पक्ष जांच करें। इस दौरान बुगती ने कप्तान अम्माद शकील बट पर लगाए गए प्रतिबंध का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अम्माद को दो साल के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हॉकी से दो साल के लिए प्रतिबंधित किया गया है।

कप्तान बट ने किया बगावत का एलान

अम्माद शकील बट ने बुधवार को बगावत का एलान करते हुए कहा था, हम महासंघ के मौजूदा प्रबंधन के रहते हुए खेलना जारी नहीं रख सकते। जब खिलाड़ियों को मैच खेलने जाने से पहले रसोई साफ करनी पड़ती है और बर्तन धोने पड़ते हैं तो आप हमसे कैसे अच्छे परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। सरकारी स्वामित्व वाले पीएसबी ने यह पुष्टि की थी कि उसने ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रीय टीम के होटल में ठहरने की व्यवस्था के लिए पीएचएफ को एक करोड़ से अधिक पाकिस्तानी रुपये दिए थे। इसके बाद पीएचएफ को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान हॉकी टीम को कैनबरा जाने वाली अपनी अगली उड़ान से पहले सिडनी हवाई अड्डे पर 13-14 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इससे भी अधिक चिंताजनक खबरें तब सामने आईं जब टीम एफआईएच प्रो लीग मैचों से पहले अपने होटल में पहुंची थी। खिलाड़ियों को बताया गया कि उनकी कोई बुकिंग नहीं है क्योंकि होटल को किसी तरह का अग्रिम भुगतान नहीं किया गया था।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

एक्टिंग डेब्यू के सवाल पर अमृता फडणवीस बोलीं

आते रहते हैं फिल्मों के ऑफर संगीत मेरे लिए सांस लेने जैसा

मुंबई। प्लेबैक सिंगर और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस इन दिनों अपने नए भक्ति गीत शंभू रे को लेकर चर्चाओं में हैं। उनके इस गीत को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपने संगीत सफर के बारे में बताया। साथ ही अभिनय क्षेत्र में कदम रखने के सवाल पर भी सटीक जवाब दिया। अमृता फडणवीस से सवाल किया कि वह मनोरंजन जगत से काफी नजदीक से जुड़ी हैं, ऐसे में क्या उन्होंने कभी एक्टिंग करने के बारे में सोचा है? इस पर उन्होंने बताया, मुझे कई बार फिल्मों के ऑफर आते रहे हैं। लेकिन, हर बार मैंने इन ऑफर्स को विनम्रता के साथ मना किया है। मेरा मानना है कि हर इंसान का जीवन में एक रास्ता तय होता है और अभिनय मेरा रास्ता नहीं है। संगीत मेरा पहला और आखिरी प्यार है। यह वह कला है जो मुझे स्वाभाविक रूप से आती है और इसमें मैं खुद को पूरी तरह व्यक्त कर पाती हूं। मैं वही काम करना चाहती हूं, जिससे मैं पूरी ईमानदारी से जुड़ी रहूं और वह काम मेरे लिए संगीत ही है। अपने पैशन के बारे में बात करते हुए अमृता ने कहा, संगीत मेरे लिए सांस लेने जैसा है। जिस तरह इंसान बिना सांस के नहीं रह सकता, उसी तरह मैं संगीत के बिना खुद को अधूरा महसूस करती हूं।

भक्तों के दिलों में जगह बना चुका है भक्ति गीत

गौरतलब है कि 14 फरवरी को रिलीज हुआ भक्ति गीत शंभू रे बेहद कम समय में दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना चुका है। इस गीत को अब तक 9 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। अमृता फडणवीस की आवाज में शंभू रे का संगीत मोटी शर्मा ने तैयार किया है, जिन्होंने सुरों के जरिए शिवभक्ति को नई गहराई दी है। वहीं, गीत के बोल सृजन विनय वैष्णव ने लिखे हैं। गाने का निर्देशन राजीव वालिया ने किया है और इसे भगवान शिव से जुड़े 27 पवित्र स्थलों पर फिल्माया गया है।

पवन सिंह के चाचा ने अक्षरा सिंह पर लगाए गंभीर आरोप, कहा- ज्योति को बर्बाद कर दिया

पवन सिंह और ज्योति सिंह की शादीशुदा जिंदगी मुश्किल दौर से गुजर रही है। दोनों का तलाक केस कोर्ट में चल रहा है, जिस पर कभी भी फैसला आ सकता है। पवन सिंह अपनी पत्नी से अलग होने का मन बना चुके हैं। लेकिन ज्योति सिंह आज भी रिश्ते को बचाने की कोशिश कर रही हैं। तलाक केस के बीच पवन सिंह के चाचा और गुरु अजीत सिंह ने बड़ा बयान दिया है। आइए जानते हैं कि उन्होंने शादी को लेकर क्या कहा। पवन सिंह के चाचा ने कहा कि ज्योति सिंह को बर्बाद करने में अक्षरा सिंह का हाथ है। ज्योति सिंह उसी (अक्षरा) की वजह से बर्बाद है। मैं बता दूं कि अक्षरा की वजह से ही ज्योति, पवन सिंह से दूर हो गई है। पवन सिंह के चाचा का कहना है कि अक्षरा की वजह से ज्योति सिंह का घर उजड़ा है।

अक्षरा सिंह शुरुआत से ही ज्योति सिंह का सपोर्ट करती नजर आई हैं। हाल ही में उन्होंने मीडिया से बातचीत में ज्योति सिंह के पक्ष में बड़ी बात कही थी। उन्होंने कहा था कि अगर आपने शादी की है। आप शादी करके किसी को ले जाते हो, तो

आपका दायित्व बनता है। एक लड़की का ये हक बनता है कि वो एलिमनी ले। उन्होंने कहा कि ज्योति सिंह अपनी जगह सही हैं। 10 करोड़ मांगें या 20 करोड़, हमको लगता है 100 करोड़ भी कम पड़ जाएगा। देना ही चाहिए। जो लड़की ने झेला है, उसके लिए 100 करोड़ भी कम है। पूरे समाज को मिलकर दिलवाना चाहिए। मालूम हो, बिहार इलेक्शन के टाइम पर भी अक्षरा सिंह, ज्योति के हक में बोलती दिखी थीं।

मेट्रो बाजार

बकाया भुगतान विवाद: स्पाइसजेट के लिए बांग्लादेश का एयरस्पेस बंद

बांग्लादेश ने कथित बकाया भुगतान न चुकाने के कारण बजट एयरलाइन स्पाइसजेट को अपने हवाई क्षेत्र के उपयोग से रोक दिया है। सूत्रों के मुताबिक, एयरस्पेस उपलब्ध न होने के चलते कोलकाता से गुवाहाटी और इम्फाल जाने वाली कुछ उड़ानों को अब लंबा रूट अपनाना पड़ रहा है।

हालांकि, स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि एयरलाइन संबंधित प्राधिकरणों के साथ नेविगेशन शुल्क समेत संचालन और प्रक्रियागत मुद्दों पर नियमित संवाद में है। उन्होंने इसे उद्योग से जुड़े सामान्य मुद्दे बताते हुए कहा कि जल्द समाधान की दिशा में रचनात्मक तरीके से काम किया जा रहा है और निर्धारित उड़ान सेवाएं नियमों के अनुसार जारी हैं।

बकाया की प्रकृति और राशि के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं- सूत्रों का कहना है कि बकाया राशि के भुगतान न होने के कारण यह कदम उठाया गया है, हालांकि बकाया की प्रकृति और राशि के बारे में तत्काल स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। वहीं, फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के अनुसार स्पाइसजेट की कुछ उड़ानें बांग्लादेशी एयरस्पेस से बचते हुए वैकल्पिक और लंबा मार्ग अपना रही हैं।

स्पाइसजेट के शेयर में आई गिरावट - इस बीच, बीएसई में दोपहर के कारोबार के दौरान स्पाइसजेट के शेयर में करीब 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने हाल ही में दिसंबर 2025 तिमाही में 269.27 करोड़ रुपये का घाटा भी दर्ज किया था, जिसका कारण बढ़ती लागत और एकमुश्त खर्च बताए गए।

रूसी तेल की आड़ में भारत को निशाना बनाना गलत, ट्रंप नीति पर अमेरिकी सांसद का बयान

नई दिल्ली। अमेरिका के वरिष्ठ सांसद ब्रैड शेरमन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस नीति की आलोचना की है, जिसमें भारत द्वारा रूसी तेल खरीद के मुद्दे पर टैरिफ लगाए जाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि ट्रंप भारत पर अनुचित और भारी टैरिफ लगाने के लिए बहाने ढूंढ रहे हैं और इस फैसले को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी और हाउस फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी के सदस्य शेरमन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का दावा है कि भारत पर टैरिफ का कारण रूस से तेल आयात है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि हंगरी अपने कच्चे तेल का करीब 90 प्रतिशत रूस से आयात करता है, फिर भी उस पर ऐसे टैरिफ नहीं लगाए गए। वहीं, रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार चीन भी इस आधार पर प्रतिबंधों का सामना नहीं कर रहा है। शेरमन ने कहा कि भारत रूस से केवल लगभग 21 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, इसके बावजूद एक सहयोगी देश को अलग तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने राष्ट्रपति से इस नीति को तुरंत पलटने की मांग की। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका और भारत ने एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति जताई थी, जिसके बाद ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीद पर लगाए गए 25 प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ को हटाने से संबंधित एक कार्यकारी आदेश जारी किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा था कि नई दिल्ली ने सीधे या परोक्ष रूप से मॉस्को से ऊर्जा आयात कम करने और अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। इस व्यापार समझौते के तहत वॉशिंगटन ने भारत पर लगाए जाने वाले पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है।

ईरान ने रूस के साथ किया युद्ध अभ्यास

» पश्चिम एशिया के करीब पहुंचा अमेरिका का विमानवाहक पोत, तनाव बढ़ा

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने रूस के साथ वार्षिक सैन्य युद्ध अभ्यास किया। यह युद्ध अभ्यास ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिकी विमानवाहक पोत पश्चिम एशिया के करीब पहुंच रहा है। अमेरिका और ईरान दोनों ने संकेत दिए हैं कि अगर तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता विफल हुई, तो वे युद्ध के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान के साथ समझौता की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन वार्ता वर्षों से ठप हैं। वहीं, ईरान ने अमेरिका और इस्राइली मांगों पर चर्चा करने से इनकार किया है। अमेरिका और इस्राइल की मांग है कि ईरान अपने मिसाइल कार्यक्रम में कटौती करे और सशस्त्र समूहों से अपने संबंध तोड़ने होंगे। हाल के हफ्तों में हुई अप्रत्यक्ष वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं हुई। इसकी भी आशंका है कि इस समय का इस्तेमाल दोनों पक्ष युद्ध की अंतिम तैयारी के लिए कर रहे हैं।

संघर्ष और विरोध प्रदर्शन के बाद ईरान सरकार की स्थिति कमजोर

पिछले साल इस्राइल और अमेरिका के साथ 12 दिनों तक संघर्ष और जनवरी में बड़े प्रदर्शनकारियों को हिंसक रूप से दबाने के बाद ईरान सरकार पहले से अधिक कमजोर हो गई है। फिर भी यह इस्राइल और अमेरिका के ठिकानों पर हमला करने में सक्षम है और उसने चेतावनी दी है कि कोई भी हमला क्षेत्रीय युद्ध को जन्म देगा।ईरान ने इस हफ्ते हॉर्मुज की खाड़ी में लाइव-फायर युद्धाभ्यास किया। यह फारस की खाड़ी का संकीर्ण मार्ग है, जिससे विश्व के व्यापारिक तेल का एक-पांचवां हिस्सा गुजरता है। ईरान के अंदर भी तनाव बढ़ रहा है। ईरान में जिन प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बलों ने मारा था, उनकी मौत के 40 दिन पूरे होने पर शोक सभाएं आयोजित की जा रही हैं।

न्यूज विंडो

अक्षरधाम मंदिर: यह बहुत ही प्रभावशाली फिर आऊंगा: एस्टोनिया राष्ट्रपति

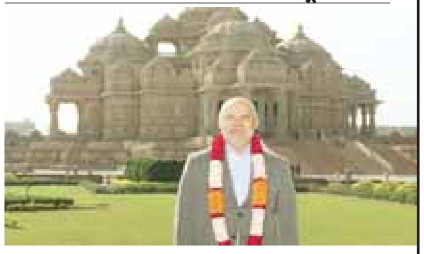

नई दिल्ली। एस्टोनिया गणराज्य के राष्ट्रपति अलार कारिस भारत आए हुए हैं। राष्ट्रपति कारिस ने एस्टोनिया की राजधानी तालिन्न से आए एक खास प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली में स्वामीनारायण अक्षरधाम का दौरा किया। राष्ट्रपति कारिस के साथ एस्टोनिया गणराज्य की भारत में राजदूत मार्जे लूप, राष्ट्रपति कार्यालय के सीनियर अधिकारी, विदेश मंत्रालय के सदस्य और एस्टोनिया के डिजिटल और एआई क्षेत्र के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर दौरे पर एआई-लीप के नेतृत्वकर्ता भी शामिल रहे।अक्षरधाम मंदिर परिसर पहुंचने पर राष्ट्रपति और उनके प्रतिनिधिमंडल का दिव्यामृतदास स्वामी, ज्ञानमुनिदास स्वामी और सीनियर कर्मचारियों द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया। उन्होंने मंदिर में दर्शन किए और अभिषेक किया, जिसमें उन्होंने वैश्विक शांति, सद्भाव और सभी समुदायों के कल्याण के लिए प्रार्थना की। प्रतिनिधिमंडल ने सांस्कृतिक नौका विहार का भी अनुभव किया, जिससे उन्हें भारत की समृद्ध विरासत, दर्शन और मानव प्रगति में योगदान की जानकारी प्राप्त हुई। इस यात्रा ने संवाद, इनोवेशन और अंतरसांस्कृतिक समझ के प्रति एस्टोनिया और भारत की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाया।

पाक कैदियों का खुलासा: मलेशिया से फंडिंग, वाई-फाई का इस्तेमाल

आरएसपुरा। बाल सुधार गृह में हुई वारदात की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, साजिश की परतें खुलती जा रही हैं। पहले बाल सुधार गृह से फरार होने, फिर अंदर देसी कट्टे की सप्लाई और अब विदेश से फंडिंग ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार दोनों पाकिस्तानी नागरिकों से पूछताछ में सामने आया है कि इस वारदात का मास्टरमाइंड कर्णजीत सिंह उर्फ 'गुग्गा' बाल सुधार गृह में मोबाइल फोन और वहां लगे वाई-फाई का उपयोग कर कुछ ऐप के जरिये बाहर अपने सहयोगियों से संपर्क करता था। उसी के जरिये ये पूरी साजिश रची गई।बाल सुधार गृह से भागने के दौरान उसका मोबाइल फोन गुम हो गया, जिसके बाद पंजाब में एक अन्य व्यक्ति ने उसे नया मोबाइल उपलब्ध कराया। तीनों को भागने में मदद के लिए मलेशिया से फंडिंग की बात सामने आ रही है।

परीक्षा देने जा रहे छात्रों को बस ने मारी टक्कर, दो की मौत, एक घायल

बहराइच। यूपी के बहराइच में सुबह 10वीं की परीक्षा देने जा रहे छात्रों की बाइक को रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। हादसे में दो छात्रों की मौत हो गई। जबकि, तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी चालक बस छोड़कर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसा रामगांव थाना क्षेत्र में बहराइच-नानपारा मार्ग स्थित झिंगहा घाट के पास हुआ। क्षेत्र के ही राजापुर माफी गांव निवासी आशाराम का बेटा मस्तराम (17) अपने मामा के लड़के रोहित व जयहिंद के साथ सुबह 7 बजे परीक्षा देने जाने के लिए निकला था। उसका सेंटर नगर के सिटी मांटेसरी स्कूल में था। झिंगहा घाट के पास हनुमान मंदिर के सामने तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद तीनों उछलकर सड़क पर जा गिरे।

■ उज्जैन व धार समेत प्रदेश के 25 जिलों में भारी नुकसान की आशंका ■ प्रशासन ने शुरू किया सर्वे, आज भी कई जिलों में बारिश का अलर्ट

प्रदेश में आंधी, बारिश और ओलों से फसलें हुई आड़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

साइक्लोनिक सर्कुलेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के सक्रिय होने से मध्य प्रदेश के आधे हिस्से में मौसम ने खतरनाक रूप अख्तियार कर लिया है। 24 से 48 घंटों के दौरान प्रदेश के 25 जिलों के करीब 80 शहरों और कस्बों में तेज आंधी के साथ बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

सबसे बुरा असर उज्जैन संभाग में देखने को मिला है। उज्जैन के घट्टिया, महिदपुर और उन्हेल जैसे ग्रामीण इलाकों में ओलावृष्टि और तेज हवाओं के कारण खेतों में खड़ी फसलें पूरी तरह आड़ी हो गई हैं। दानों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों के चेहरे पर मायूसी छा गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान के आकलन के लिए सर्वे शुरू करा दिया है।

मौसम विभाग के अनुसार आज भी करीब 17 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक की संभावना बनी हुई है। कई इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जबकि कुछ जगह तेज झोंके 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकते हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

धार। दो दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश से फसलें पूरी तरह आड़ी हो गई हैं।

मौसम विभाग का येलो अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर और सागर संभाग के जिलों में खराब मौसम को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। लोगों से अपील की गई है कि बारिश और बिजली गिरने के दौरान खुले मैदान में न जाएं और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें।

नए सिस्टम ने बढ़ाई हलचल

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदेश के ऊपर दो चक्रवात सक्रिय हैं। इसके अलावा एक ट्रफ लाइन गुजर रही है और पश्चिमी विक्षोभ का असर भी बना हुआ है। इन सबके कारण फरवरी में तीसरी बार बारिश का दौर आया है। अब 23 और 24 फरवरी को चौथी बार फिर बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम सरप्राइज मोड में

21 और 22 फरवरी को मौसम साफ रहने की उम्मीद है और फिलहाल कोई बड़ा अलर्ट नहीं है। लेकिन 23-24 फरवरी को फिर से मौसम करवट ले सकता है। फिलहाल एमपी में मौसम पूरी तरह सरप्राइज मोड में है यहां कभी धूप, कभी बादल, कभी आंधी और कभी ओले गिर रहे है।

बोर्ड ऑफ पीस कार्यक्रम में बोले ट्रम्प

200 फीसदी टैरिफ की चेतावनी, तब लड़ाई रोकी

» अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर से भारत-पाक संघर्ष रुकवाने का किया दावा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को वॉशिंगटन में फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों पर 200% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद वे संघर्ष रोकने के लिए माने। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ये बात 'में कही।

ट्रम्प ने कहा कि उस समय दोनों देशों के बीच हालात बहुत खराब थे, लड़ाई तेज हो गई थी और विमान गिराए जा रहे थे। मैंने दोनों नेताओं (मोदी और शहबाज शरीफ) को फोन किया। मैं पीएम मोदी को अच्छी तरह जानता हूं।ट्रम्प ने कहा कि मैंने दोनों से साफ कह दिया था कि अगर वे झगड़ा खत्म नहीं करेंगे तो मैं उनके साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा।ट्रम्प के मुताबिक दोनों देश लड़ना चाहते थे, लेकिन जब पैसे का मामला आया और नुकसान की बात सामने आई तो वे मान गए। ट्रम्प ने दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान 11 महंगे फाइटर जेट्स गिराए गए थे। हालांकि, उन्होंने ये नहीं बताया कि ये फाइटर जेट्स किस देश के थे।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने की थी सैन्य कार्रवाई

पाकिस्तानी आतंकियों ने पिछले साल 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में 26 भारतीय टूरिस्ट्स को मार दिया था। इसके बाद भारत ने 6 और 7 मई की रात पाकिस्तान और क्ष्य में आतंकी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई की थी। इन ठिकानों में पाकिस्तान के पंजाब राज्य के बहावलपुर और मुरीदके जैसे इलाके भी शामिल थेइसके जवाब में 8 मई की शाम को पाकिस्तान ने भारत के एयर डिफेंस सिस्टम पर हमला करने की कोशिश की। उसने तुर्किये और चीन के ड्रोन का इस्तेमाल किया, लेकिन इसमें उसे कामयाबी नहीं मिली। भारत की एयरफोर्स पूरी तरह से एक्टिव थी और छोटे से लेकर बड़े एयर डिफेंस सिस्टम तक हर हथियार तैयार था। इन हथियारों ने पाकिस्तान के ड्रोन्स को काफी नुकसान पहुंचाया।

सीएम सरमा के बयान का प्रियंका का तीखा जवाब

ऐसी राजनीति कौन करता है भला

गुवाहाटी, एजेंसी

असम विधानसभा चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमिटी की चेयरपर्सन व कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, 'मेरी सोच है कि ऐसी चीज़ों का हमें राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। जुबीन गर्ग की जब मृत्यु हुई तो हम सबने देखा कि असम की जनता उनसे कितना प्रेम करती है।।। जुबीन गर्ग असम की आत्मा की आवाज़ थे, असम की अभिव्यक्ति थे।।। उनके हर गाने में प्रेम, एकता, असम की अस्मिता थी। हम भी उसी चीज़ के लिए लड़ रहे हैं, हमारी लड़ाई असम की संस्कृति, सभ्यता बचाने की है।।। '

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बयान पर उन्होंने कहा, 'चुनाव के समय दो तरह के नेता होते

हैं एक जो बताते हैं कि वे जनता के लिए क्या करना चाहते हैं।।। दूसरे, ध्रुवीकरण कराओ, एक-दूसरे से लड़ाओ, किसी के परिवार पर आक्रमण करो। हमारी यह राजनीति न कभी रही है और न रहेगी। जिस तरह गौरव गोगोई और उनके परिवार पर आक्रमण हो रहा है मुझे लगता है कि यह एक उदाहरण होना चाहिए कि ऐसी राजनीति गलत है।

बिहार विधानसभा में मैथिली ठाकुर ने फिर लूटी महफिल

लालू 'धृतराष्ट्र' और तेजस्वी हैं 'दुर्योधन'

पटना। बिहार विधानसभा में शिक्षा बजट पर चर्चा के दौरान बीजेपी विधायक मैथिली ठाकुर ने जोरदार भाषण से सदन में सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने अपने वक्तव्य की शुरुआत संस्कृत के श्लोक 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' से की। उन्होंने कहा कि जब वे सदन में खड़ी हैं तो यह श्लोक उनके मन में गूंज रहा है। मैथिली ने पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि कभी हालात ऐसे थे कि महिलाएं घर से बाहर निकलने में भी असुरक्षित महसूस करती थीं। आज वही महिलाएं दरभंगा से पटना तक सुरक्षित सफर कर रही हैं। उनके इस बयान पर सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

'जंगलराज' बनाम विकास की राजनीति: मैथिली ठाकुर ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या सभी को वह बिहार याद है, जिसे 'जंगलराज' कहा जाता था? उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई थी। सरकारी स्कूलों की इमारतें जर्जर थीं और कई जगहों पर ताले लटकते थे।बजट तो आता था, लेकिन जमीन पर उसका असर नहीं दिखता था। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा दूर की बात थी, क्योंकि घर में दो वक्त का भोजन भी मुश्किल था। उन्होंने कहा कि उस दौर के गवाह आज विपक्ष में बैठे लोग भी हैं।

लालू पर सीधा हमला, तेजस्वी पर टिप्पणी

अपने भाषण के दौरान मैथिली ठाकुर ने लालू प्रसाद यादव की तुलना महाभारत के धृतराष्ट्र से की। उन्होंने कहा कि उस समय के 'राजा' को बिहार रूपी हस्तिनापुर की चिंता नहीं थी।उन्हें केवल अपने 'दुर्योधन' की फिक्र थी। इसी क्रम में उन्होंने तेजस्वी यादव को दुर्योधन बताया। इस टिप्पणी के बाद आरजेडी विधायकों ने कड़ा विरोध जताया। सदन में दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

नीतीश मॉडल और साइकिल योजना का जिक्र: मैथिली ने कहा कि महाभारत में जैसे युधिष्ठिर के शासन में शांति स्थापित हुई, उसी तरह नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास और शिक्षा के रास्ते पर आगे बढ़ा। उन्होंने विशेष रूप से साइकिल योजना का उल्लेख किया। कहा कि विपक्ष ने इस योजना का मजाक उड़ाया था।

मेट्रो एंकर — बिश्नोई गैंग से जुड़ी बॉबी कबूतर की गर्लफ्रेंड का डबल रोल, दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

लेडी डॉन नेहा: दिन में काम 'सुंदर' और रात में मैडम जहर

नई दिल्ली, एजेंसी

राजधानी में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ी कथित 'लेडी डॉन' खुशनुमा अंसारी उर्फ नेहा को गिरफ्तार किया है। खुशनुमा गैंग को हथियार मुहैया कराने वाले महफूज उर्फ बॉबी कबूतर की गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। खुशनुमा किसी फिल्म की तरह अपनी जिंदगी में दोहरी भूमिका निभा रही थी। वह दिन में ब्यूटी पार्लर चलाती थी तो रात को गैंगस्टर गैंग का काले कारनामों में शामिल हो जाती थी। गैंग के भीतर उसे 'मैडम जहर' के नाम से जाना जाता है।

जांच में सामने आया है कि बॉबी कबूतर, एशिया के बड़े हथियार सप्लायर माने जाने वाले सलीम पिस्टल से अवैध हथियार लेता था। सलीम को पुलिस पहले ही नेपाल-भारत सीमा से गिरफ्तार कर चुकी है। एजेंसियों के अनुसार उसका संबंध पाकिस्तानी खुफिया इकाई आईएसआई से भी जुड़ा रहा है। फिलहाल स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट की गिरफ्त में बॉबी कबूतर, खुशनुमा, मोहम्मद राजी खान और शाहबाज हैं।

कई संगीन वारदातों से जुड़ा नेटवर्क

पुलिस का दावा है कि बॉबी कबूतर बीते सात साल से फरार था और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। फरारी के दौरान खुशनुमा उसकी मददगार बनी रही। बॉबी का नाम पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की 2022 में हुई हत्या, फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग, नादिर शाह हत्याकांड और सीलमपुर डबल मर्डर जैसे मामलों में सामने आया है। इन वारदातों में गैंग को अवैध हथियार सप्लाई करने में उसकी अहम भूमिका बताई जाती है।

मूसेवाला हत्याकांड के बाद से तलाश

मई 2022 में दिनदहाड़े हुई सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद से ही स्पेशल सेल की टीमें बॉबी की तलाश में जुटी थीं। आरोपी फर्जी पहचान और तकनीकी संसाधनों का सहारा लेकर बचता रहा, लेकिन तकनीकी सर्विलांस और खुफिया इनपुट के आधार पर आखिरकार गिरफ्त में आ गया। अब पुलिस बॉबी और उसकी 'लेडी डॉन' गर्लफ्रेंड से गैंग के महिला नेटवर्क, ड्रग्स सप्लाई चेन और अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी कनेक्शन के राज उगलवाने में जुटी है। आने वाले दिनों में इस गैंग से जुड़े और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

बॉबी कबूतर-खुशनुमा सात साल से साथ

जांच एजेंसियों के मुताबिक, खुशनुमा अंसारी ड्रग्स नेटवर्क से भी जुड़ी है। हाशिम बाबा गैंग के लिए वह ऑपरेशन संभालने से लेकर अवैध वसूली तक की जिम्मेदारी देखती थी। इसी कारण गैंग के भीतर उसे 'मैडम जहर' कहा जाता था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि वह सिर्फ बॉबी की पार्टनर नहीं, बल्कि गैंग के ऑपरेशंस, ड्रग्स सप्लाई चेन और संपर्क तंत्र की अहम कड़ी है। वह गुर्गों को सुरक्षित ठिकाने दिलाने और फरारी के दौरान बॉबी के नेटवर्क को मैनेज करने में सक्रिय भूमिका निभाती थी। उससे लॉरेंस और हाशिम बाबा गैंग के ड्रग्स कनेक्शन को लेकर पूछताछ जारी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564